जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:324 दिनांक:07-11-2024 गुरूवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

डोनाल्ड ट्रम्प फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं। उन्हें 50 राज्यों की 538 में से 277 सीटें मिली हैं, बहुमत के लिए 270 सीटें जरूरी होती हैं।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने 6 नवंबर, 2024 को कहा कि विधानसभा ने तत्कालीन राज्य के विशेष दर्जे की बहाली के लिए बातचीत की मांग करने वाला प्रस्ताव पारित कर दिया है।

अमेरिकी चुनाव...रिपब्लिकन पार्टी को संसद में बहुमत, 538 इलेक्टोराल वोट में से रिपब्लिकन को 277 और डेमोक्रेट को 224 वोट मिले

ट्रम्प का 47वां राष्ट्रपति बनना तय!

-अमेरिकी इतिहास में ट्रम्प पहले लीडर हैं जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में दो बार महिला उम्मीदवारों को हराया

वॉशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका चुनाव के नतीजों से यह साफ हो गया है कि यूनाइटेड स्टेट्स में एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप की सरकार बनने जा रही है। वोटों की गिनती में ट्रंप की पार्टी रिपब्लिकन ने बहुमत का आंकड़ा छू लिया है। वहीं डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस राष्ट्रपति चुनाव की दौड़ में पीछे रह गई हैं। डोनाल्ड ट्रम्प फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति चुने गए हैं। उन्हें 50 राज्यों की 538 में से 277 सीटें मिली हैं, बहुमत के लिए 270 सीटें जरूरी होती हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की कैंडिडेट कमला हैरिस कड़ी टक्कर देने के बावजूद 224 सीटें ही जीत पाईं। ट्रम्प 2016 में पहली बार राष्ट्रपति बने थे और 2020 में जो बाइडेन से हार गए थे। ताजा नतीजों के बाद ट्रम्प दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहले राजनेता हैं, जो 4 साल के गैप के बाद दोबारा राष्ट्रपति बनेंगे। वहीं, अमेरिकी इतिहास में ट्रम्प पहले लीडर हैं जिन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में दो बार महिला उम्मीदवारों को हराया है। अमेरिका में ऐसा सिर्फ दो बार 2016 और 2024 में हुआ है जब वहां महिला राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार बनी थीं।

सबसे खास बात है कि इस बार ट्रंप को मुस्लिम वोटर्स का भी समर्थन मिला है। खुद मिशिगन राज्य में ट्रंप ने कमला हैरिस को हरा दिया है जबकि वहां मुस्लिम वोटर्स की अच्छी संख्या होने की वजह से हमेशा डेमोक्रेटिक उम्मीदवार बाजी मारते आए हैं। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ और मुस्लिम वोटरों का झुकाव ट्रंप की ओर देखने को मिला।

4 साल के अंतराल पर दोबारा जीत

डोनाल्ड ट्रम्प का अमेरिका का राष्ट्रपति बनना तय हो गया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ट्रम्प ऐसे पहले राष्ट्रपति बन गए हैं, जिन्होंने 4 साल के अंतराल पर दोबारा जीत हासिल की है। ट्रम्प 2016 में पहली बार राष्ट्रपति बने थे। 2020 का चुनाव वे जो बाइडेन से हार गए थे। 132 साल पहले ग्रोवर क्लीवलैंड 2 बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे। उन्होंने 4 साल के अंतराल पर 1884 और 1892 के राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की थी। चुनाव में जीत तय होने के बाद ट्रम्प ने अमेरिका के लोगों को शुक्रिया कहा है। उन्होंने कहा- हमने वो कर दिखाया जो लोगों को असंभव लग रहा था। मैं देश की सभी समस्याओं को दूर करूंगा। अलास्का, नेवादा और एरिजोना में जीत हासिल करना मेरे लिए बड़ी बात है। यह अविश्वसनीय है। ट्रम्प ने कहा कि मैं अमेरिकी लोगों के परिवार और उनके भविष्य के लिए लड़ूंगा। अगले 4 साल अमेरिका के लिए अहम हैं। ट्रम्प ने कहा कि यह अमेरिका के इतिहास की सबसे शानदार जीत है। ट्रम्प ने इलॉन मस्क की तारीफ करते हुए कहा- इलॉन एक स्टार हैं। चुनाव प्रचार में उन्होंने रॉकेट की तरह उड़ान भरी है।

रिपब्लिकन पार्टी को बहुमत

अमेरिका की 538 सीटों में से ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी बहुमत (270 सीटों) से सिर्फ 3 सीटें दूर है। अब तक रिपब्लिकन को 267 सीटों पर जीत मिल चुकी है। वहीं, कमला हैरिस की पार्टी ने 224 सीटों पर जीत दर्ज की है। दोनों के बीच सिर्फ 43 सीटों का फर्क है। हालांकि बचे हुए सभी 5 राज्यों में ट्रम्प बढ़त बनाए हुए हैं। ऐसे में कमला कड़ी टक्कर देने के बावजूद चुनाव लगभग हार चुकी हैं। राष्ट्रपति चुनाव के साथ ही अमेरिकी संसद के दोनों सदन सीनेट और हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव के भी चुनाव हुए हैं। रिपब्लिकन पार्टी को सीनेट में बहुमत मिल गया है और हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव में लीड कर रही है।

अमेरिका को महान बनाऊंगा

जीत के बाद अमेरिकी लोगों को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने कहा कि एक बार फिर से अमेरिका को महान बनाऊंगा। भगवान ने मेरी जान इसी दिन के लिए बचाई थी। ट्रम्प पर 13 जुलाई को पेंसिलवेनिया में हमला हुआ था। इसमें एक गोली उनके कान को छूकर निकल गई थी। हमले में उनकी जान बाल-बाल बची थी।

मुस्लिमों का ट्रंप को अच्छा समर्थन

मुस्लिमों का ट्रंप को अच्छा समर्थन मिलना डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए किसी झटके से कम नहीं है। आमतौर पर अमेरिका में मुस्लिमों का समर्थन इसी पार्टी को रहा है। वहीं रिपब्लिकन को हमेशा मुस्लिमों के खिलाफ फैसला लेने वाली पार्टी कहा जाता रहा है। लेकिन अभी इजरायल- गाजा युद्ध की वजह से जो विश्व में हालात हैं, उससे ट्रंप को फायदा मिलता हुआ नजर आ रहा है। ट्रंप ने चुनाव जीतकर अपनी पहली स्पीच में ही मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित करने की बात एक बार फिर कही है। वह लगातार युद्ध को रुकवाने की बात कर रहे हैं जो कहीं न कहीं मुस्लिमों को अच्छी लग रही है। जबकि ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल में कई मुस्लिम देशों पर ट्रैवल बैन लगा दिया था। ट्रंप की सरकार जाने के बाद जब जो बाइडन सत्ता में आए तो उन्होंने यह बैन हटाया। ट्रंप इस बार भी अपनी रैलियों में ट्रैवल बैन लगाने की लगातार बात करते रहे हैं। इसके बाद भी मिशिगन राज्य में ट्रंप को मिला सपोर्ट डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए चौंकाने वाला जरूर है।

खेल कर गया मिडिल ईस्ट में शांति लाने का ट्रंप का वादा

हाल ही में मिशिगन में जब ट्रंप ने रैली की तो उसमें कुछ मुस्लिम नेताओं को भी आमंत्रित किया था। रैली के दौरान ट्रंप ने कहा भी था कि अरब अमेरिकी और मुस्लिम वोटर्स इजरायल और गाजा में अमेरिका की विदेश नीति को लेकर निराश हैं। ट्रंप ने मिशिगन के डियरबोर्न शहर में कहा था कि यहां रहने वाले अरब मुस्लिम वोटर्स इस चुनाव को एक तरफ से दूसरी तरफ कर सकते हैं। आपको बता दें कि जिस शहर में ट्रंप ने यह बात कही, वह पिछले साल ही अमेरिका का मुस्लिम बहुल आबादी वाला शहर बना था। जहां करीब 55 फीसदी आबादी मुस्लिम है जो मध्य-पूर्व या उत्तरी अफ्रीका से हैं।

मुसलमानों को कहां नाराज कर बैठे बाइडन

हमास और इजरायल का युद्ध जब से ज्यादा बढ़ा तब से ही अमेरिका ने लगातार इजरायल की सहायता की। यहां तक कि डेमोक्रेटिक पार्टी को मुस्लिम समुदाय का हमेशा समर्थन रहा, उसके बावजूद बाइडेन प्रशासन ने युद्ध के लिए इजरायल की लगातार सैन्य मदद की है। इसी वजह से अरब अमेरिकी और अन्य मुस्लिम मतदाताओं में नाराजगी देखने को मिली है। इसी नाराजगी का फायदा ट्रंप ने भी उठाने की कोशिश की है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि मुस्लिम वोटर्स सिर्फ बाइडन ही नहीं बल्कि कमला हैरिस से भी निराश हैं। कमला हैरिस फिलीस्तीनी समर्थकों और युद्ध विरोधी कार्यकर्ताओं के निशाने पर रही हैं। इसी वजह से लोगों में यह भी सवाल रहा कि मिडिल ईस्ट में बाइडन प्रशासन की जो नीतियां हैं, उनसे उनकी नीति कैसे अलग होगी?

पीएम मोदी ने ट्रम्प को बधाई देते हुए शेयर की तस्वीरें

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में जीत के लिए बधाई देते हुए एक्स पर ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने कई फोटो भी शेयर किये। इनमें पीएम मोदी, ट्रंप के साथ नजर आ रहे हैं। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, मेरे मित्र डोनाल्ड ट्रम्प को हार्दिक बधाई।।आपकी ऐतिहासिक चुनावी जीत पर। जैसा कि आप अपने पिछले कार्यकाल की सफलताओं को आगे बढ़ाएंगे, मैं भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए हमारे सहयोग को फिर शुरू करने करने के लिए उत्सुक हूं। आइए, मिलकर अपने लोगों की भलाई के लिए और वैश्विक शांति, स्थिरता व समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए काम करें।

दिल्ली सरकार चिटफण्ड और हाई रिटर्न निवेश के नाम पर धोखाधड़ी करने वालों पर नकेल कसेगी

- वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने के लिए नया नियम लेकर आई दिल्ली सरकार, सीएम आतिशी ने दी मंजूरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने धोखाधड़ी वाली वित्तीय योजनाओं पर रोक लगाने के लिए नए नियम बनाए हैं। ये नियम लोगों को उन फर्जी योजनाओं से बचाने के लिए हैं, जो झूठे वादे और हाई रिटर्न निवेश के नाम पर लोगों के पैसे हड़प लेती हैं। अब सरकार के पास ऐसे मामलों पर कड़ी कार्रवाई करने के अधिकार होंगे, जिसमें जांच और संपत्तियों की जब्ती भी शामिल है।

मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, ''लंबे समय से लोग ऐसे झूठे वादों में फंसते रहे हैं जो उन्हें बड़ा मुनाफा देने का दावा करते हैं लेकिन अंत में उनका नुकसान होता है। इन नए नियमों के जरिए दिल्ली सरकार ऐसे धोखेबाजों पर कड़ी नज़र रखेगी।''

बता दे कि, नए नियमों में सरकार ने स्वयं सहायता समूहों (एप्डे) के लिए एक सीमा तय की है ताकि उनके काम में कोई रुकावट न आए। अब किसी भी सदस्य द्वारा हर महीने 50,000 रुपये तक का योगदान और साल में 5 लाख रुपये तक का योगदान नियमों से बाहर रहेगा। इस तरह छोटे और वास्तविक समूहों की गतिविधियां चलती रहेंगी और बड़े जमा पर सरकार निगरानी रखेगी। इस सीमा से उनके काम पर कोई असर नहीं पड़ेगा, और साथ ही ये भी ध्यान रखा जाएगा कि, इनका गलत इस्तेमाल न हो।''

इन नियमों के साथ, अब सरकार को धोखाधड़ी के मामलों में जांच और संपत्तियों की जब्ती के लिए विशेष एजेंसियों को नियुक्त करने का अधिकार भी मिलेगा। इससे सरकार धोखाधड़ी का जल्दी पता लगा सकेगी और पीड़ितों के पैसे वापस दिला सकेगी। पहले सरकार के पास ऐसे मामलों में संपत्तियों को जब्त करने का अधिकार नहीं था, जिससे कार्रवाई करना मुश्किल होता था। इससे पीड़ितों को न्याय मिलेगा और धोखाधड़ी का जड़ से सफाया होगा।

सीएम आतिशी ने कहा कि, अब एजेंसियां सरकार के साथ मिलकर धोखाधड़ी करने वालो को पहचानने, जांच और सजा दिलाने में मदद करेंगी।

दिल्ली सरकार का ये कदम वित्तीय लेनदेन को साफ-सुथरा रखने और नागरिकों के विश्वास को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नए नियम धोखाधड़ी वाली योजनाओं को खत्म करने और सुरक्षित वित्तीय माहौल बनाने में मदद करेंगे, खासकर उन छोटे समूहों के लिए जो ईमानदारी से काम कर रहे हैं।

24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होगी आईपीएल नीलामी : बीसीसीआई

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के लिए खिलाड़ियों की मेगा नीलामी 24 और 25 नवंबर को सऊदी अरब के जेद्दा शह में होगी। यह लगातार दूसरा साल है जब आईपीएल नीलामी विदेश में हो रही है। इससे पहले आईपीएल 2024 सत्र के लिए दुबई में नीलामी हुई थी। नीलामी के लिए खिलाड़ियों का पंजीकरण आधिकारिक तौर पर सोमवार को बंद हो गया और कुल 1,574 क्रिकेटरों (1,165 भारतीय और 409 विदेशी) ने नीलामी के लिए अपना पंजीकरण किया है।

प्रत्येक फ्रेंचाइजी अधिकतम 25 खिलाड़ियों (संबंधित रिटेन खिलाड़ियों सहित) की टीम बना सकेगी और नीलामी से कुल 204 खिलाड़ी खरीदे जा सकेंगे। इस सूचीमें 320 कैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच खेला हो) खिलाड़ी जबकि 1,224 अनकैप्ड (जिसने अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला हो) खिलाड़ी और एसोसिएट देशों के 30 खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ियों में 48 भारत के हैं। इसके अलावा देश के 965 अनकैप्ड खिलाड़ी भी नीलामी में शामिल रहेंगे। इस साल की नीलामी में ऋषभ पंत, लोकेश राहुल, श्रेयस अय्यर और अर्शदीप सिंह जैसे खिलाड़ियों पर सबकी नजरें होंगी।

नीलामी के दौरान 10 फ्रेंचाइजी 204 खिलाड़ियों पर लगभग 641.5 करोड़ रुपए खर्च करेंगी। इन 204 स्थानों में से 70 विदेशी खिलाड़ियों के लिए निर्धारित हैं। अब तक 10 फ्रेंचाइजी ने 558.5 करोड़ रुपए के सामूहिक खर्चे के साथ 46 खिलाड़ियों को रिटेन किया है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को अपनी टीम बनाने के लिए 120 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे पर 31 अक्टूबर को रिटेंशन (क्रिया खत्म होने के बाद पंजाब किंग्स के पास सबसे अधिक 110.5 करोड़ रुपए हैं।

सऊदी अरब में बर्फबारी, रेगिस्तान बन गया वंडरलैंड

रियाद,(ईएमएस)। सऊदी अरब के अल-जौफ क्षेत्र में हाल ही में हुई बर्फबारी ने रेगिस्तान को एक शीतकालीन वंडरलैंड के तौर पर बदल दिया है। इस क्षेत्र में पहली बार बर्फबारी का नजारा देखने को मिला है।

सऊदी मीडिया के मुताबिक, यह बर्फबारी इस क्षेत्र के इतिहास में पहली बार देखी गई है और इसे एक असामान्य मौसमीय घटना के रूप में देखा जा रहा है। बर्फबारी से पहले क्षेत्र में भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे मौसम अचानक ठंडा हो गया और तापमान अप्रत्याशित तौर पर गिर गया। यहां बताते चलें कि पिछले हफ्ते से ही सऊदी अरब के मौसम में असामान्य बदलाव देखे जा रहे हैं। अल-जौफ में बुधवार को भारी बारिश और ओले गिरे, जिसके बाद उत्तरी सीमा, रियाद और मक्का क्षेत्र सहित तबुक और अल बहाह क्षेत्रों में भी बदलते मौसम का प्रभाव नजर आया। सोमवार को अल-जौफ के पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी हुई, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई हैं। यूएई के राष्ट्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (एनसीएम) ने इस असामान्य मौसम का कारण एक निम्न दबाव प्रणाली को बताया है, जो अरब सागर से ओमान तक फैली हुई है। इस प्रणाली से आई नमी भरी हवाओं ने पूरे क्षेत्र में गरज, ओले और बारिश की स्थिति पैदा की, जो अगले कुछ दिनों तक बनी रह सकती है।

सऊदी अरब में बर्फबारी बेहद दुर्लभ मानी जाती है, हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में जलवायु में व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। कुछ साल पहले, सहारा के रेगिस्तान में तापमान -2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की घटना भी चर्चा में रही। विशेषज्ञों का मानना है कि यह जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों का संकेत है, जिससे पश्चिम एशिया जैसे क्षेत्र भी प्रभावित हो रहे हैं।

बदलते वायुमंडलीय स्थितियों के कारण रेगिस्तानों में बर्फबारी जैसी असामान्य घटनाएं देखने को मिल रही हैं। इस साल की शुरुआत में, रियाद में भारी बारिश के कारण आई अभूतपूर्व बाढ़ और दुबई में बाढ़ ने भी क्षेत्र के बदलते मौसम को रेखांकित किया था। इस घटनाक्रम ने न केवल विशेषज्ञों को सोचने पर मजबूर किया है बल्कि आम लोगों का ध्यान भी जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों की ओर खींचा है। इतिहास में पहली बार इसे एक असामान्य मौसमीय घटना के रूप में देखा जा रहा है। बर्फबारी से पहले क्षेत्र में भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे मौसम अचानक ठंडा हो गया और तापमान अप्रत्याशित तौर पर गिर गया।

मिथुन चक्रवर्ती पर मुकदमा दर्ज

कोलकाता (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल पुलिस ने भाजपा नेता और अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के खिलाफ भडक़ाऊ भाषण देने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है। 27 अक्तूबर को उतर 24 परगना जिले में हुए भाजपा के एक कार्यक्रम में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा था कि हमें ऐसा कार्यकर्ता चाहिए जो कहे, मार, तेरे पास कितनी गोलियां हैं। हम 2026 में पश्चिम बंगाल का मसनद (सिंहासन) लेकर रहेंगे। मामले में शिकायत के बाद बिधाननगर दक्षिण थाने में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक 27 अक्तूबर को सॉल्ट लेक क्षेत्र के ईजेसीसी में मिथुन चक्रवर्ती ने विवादित बयान दिया था। इस मामले में पुलिस से शिकायत की गई। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कार्यक्रम में गृह

कोर्ट में अपना समय बर्बाद न करें, वोटरों को लुभाएं-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (ईएमएस)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 के पहले नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के चुनाव चिह्न घड़ी के विवाद पर बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने शरद पवार और अजित पवार की पार्टी को नसीहत भी दी। अदालत ने कहा कि वे कोर्ट में अपना समय बर्बाद न करें, बल्कि चुनाव में जाकर वोटरों को लुभाएं। अदालत ने अजित पवार गुट से कहा कि अखबारों में 36 घंटे के भीतर डिस्क्लेमर छपवाएं कि घड़ी चुनाव चिह्न का मामला कोर्ट में है।

दरअसल, राकांपा के घड़ी इलेक्शन सिंबल को लेकर शरद पवार गुट ने याचिका दायर की है। इसमें कहा गया कि अजित पवार गुट अदालत का आदेश नहीं मान रहा। इसलिए उसे महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में घड़ी चिह्न के इस्तेमाल से रोका जाए। शरद पवार गुट ने इसके साथ ही अजित पवार गुट को नए चिह्न के लिए अप्लाई करने का निर्देश देने की गुजारिश भी की।

सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में बीते 24 अक्टूबर को भी सुनवाई हुई थी, जिसमें कोर्ट ने अजित पवार गुट को राहत दी थी। अदालत ने कहा था कि राकांपा (अजित गुट) आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में घड़ी चिह्न का इस्तेमाल कर सकता है, लेकिन उसे चुनावी बैनर और पोस्टर्स में यह लिखना होगा कि यह विवाद का विषय है और कोर्ट में विचाराधीन है।

सीबीएसई ने दिल्ली-राजस्थान के 21 स्कूलों की संबद्धता रद्द की

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने दिल्ली और राजस्थान में फर्जी रूप से संचालित 21 स्कूलों की संबद्धता रद्द कर दी है, जबकि छह सीनियर सेकेंडरी से सेकेंडरी लेवल पर डाउनग्रेड कर दिया है। सीबीएसई के अधिकारियों ने कहा कि यह कदम सितंबर में राजस्थान और दिल्ली के स्कूलों में किए गए औचक निरीक्षण के बाद उठाया गया है, जिसमें कई खामियां पाई गई थीं। सीबीएसई सचिव हिमांशु गुप्ता ने कहा, डमी या गैर-उपस्थित प्रवेशों की प्रथा स्कूली शिक्षा के मूल उद्देश्य के खिलाफ है, जिससे छात्रों के बुनियादी विकास से समझौता होता है। इस मामले में हम डमी स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रहे हैं। साथ ही सभी संबद्ध संस्थानों को डमी या जरूरत से ज्यादा एडमिशन करने के लालच का विरोध करने के लिए एक संदेश भेज रहे हैं। हिमांशु गुप्ता ने कहा कि निरीक्षण के दौरान पाई गई गड़बड़ियों को लेकर औचक निरीक्षण समितियों की रिपोर्ट को संबंधित स्कूलों को एक रिपोर्ट के रूप में लिस्ट किया गया था। उन्होंने कहा, स्कूलों द्वारा प्रस्तुत जवाबों की बोर्ड द्वारा विस्तार से जांच की गई। निरीक्षण के बाद और वीडियोग्राफिक सबूतों के आधार पर 21 स्कूलों की संबद्धता वापस ले ली गई और छह स्कूलों को वरिष्ठ माध्यमिक से माध्यमिक स्तर पर डाउनग्रेड कर दिया गया। जिन 21 स्कूलों की संबद्धता वापस ली गई है, उनमें से 16 दिल्ली में हैं जबकि पांच राजस्थान के कोचिंग हब कोटा और सीकर में हैं।

27 स्कूलों को गड़बड़ियों पर भेजा था नोटिस

बता दें कि सितंबर में सीबीएसई ने दिल्ली और राजस्थान के 27 स्कूलों को छात्रों के एडमिशन और अटेंडेंस की गड़बड़ियों को लेकर नोटिस भेजा था। सीबीएसई के सचिव हिमांशु गुप्ता ने इन स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। सीबीएसई का कहना था कि वह शिक्षा के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है और अपने सभी संस्थानों में अनुपालन की निरंतर निगरानी जारी रखेगा।

राष्ट्रपति पद की शपथ लेते ही भारत आएंगे डोनाल्ड ट्रंप!

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति का पद दोबारा संभालने वाले रिपब्लिकन नेता डोनाल्ड ट्रंप को इस बार भारत आने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। क्वाड देशों (अमेरिका, आस्ट्रेलिया, जापान व भारत का संगठन) के शीर्ष नेताओं की आगामी बैठक भारत में ही होनी है।

भारत ने इस सम्मेलन की तिथि तय नहीं की है लेकिन पहले बताया गया है कि संभवतः जुलाई-अगस्त, 2025 में शिखर सम्मेलन की तारीख तय की जा सकती है। अगर सब कुछ ठीक रहा तो यह पहला मौका होगा कि राष्ट्रपति पद संभालने के पहले वर्ष के भीतर ही किसी अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत की यात्रा की हो। यदि ट्रंप सत्ता संभालने के पहले वर्ष ही भारत आते हैं तो वह ऐसा करने वाले प्रथम राष्ट्रपति बन सकते हैं। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के अंतिम वर्ष 2020 में भारत की यात्रा की थी।

अनियंत्रित होकर तेज रफ्तार ऑटो मिनी ट्रक से टकराई, 10 की मौत, 5 की हालत नाजुक

हरदोई (ईएमएस)। यूपी के हरदोई जिले के बिलग्राम कस्बे में कटरा-बिल्हौर हाईवे पर क्षमता से अधिक 15 सवारियां भरकर जा रही ऑटो बुधवार को अनियंत्रित होकर तेज रफ्तार मिनी ट्रक से टकरा गई। टक्कर लगते ही ऑटो सड़क पर पलट गई। सवारियां उछलकर करीब 15-20 फुट दूर जा गिरी और ट्रक में फंसकर ऑटो की पूरी छत उड़ गई। हादसा इतना भयानक था कि 10 लोगों की तत्काल मौत हो गई, जिसमें छह महिलाएं, दो मासूम बच्चे, एक पुरुष और एक किशोरी है। जिंदा बचे पांच लोगों को किसी तरह अस्पताल ले जाया गया जहां उनकी हालत बेहद नाजुक है। बताया जा रहा है कि ओवरलोडिंग के बावजूद ऑटो विपरीत दिशा में चल रही थी। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस और प्रशासन की टीम मृतकों की पहचान करवाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस के मुताबिक दोपहर करीब 12:30 बजे एक ऑटो माधवगंज से सवारियां भरकर बिलग्राम की तरफ आ रहा था। रास्ते में रोशनपुर गांव के पास एक बाइक सवार अचानक ऑटो के सामने आ गया। उसे बचाने के चक्कर में चालक ने कट लिया तो ऑटो सामने से तेज रफ्तार में आ रहे डीसीएम ट्रक से टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही ऑटो मेन रोड पर ट्रक के सामने ही पलट गया। सवारियां उछलकर दूर जा गिरीं और ऑटो का ऊपरी हिस्सा ट्रक में फंसकर उखड़ गया। हादसा होते ही रोशनपुर गांव के लोग दौड़े। किसी ने एंबुलेंस तो किसी ने पुलिस को फोन लगाया। कुछ लोग अपने साधन से घायलों को अस्पताल पहुंचाने में जुट गए। थोड़ी देर में एंबुलेंस के साथ पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आनन-फानन में घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने 10 लोगों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक मृतकों में माधुरी और सुनीता नाम की दो महिलाओं की पहचान हो सकी है। रमेश, संजय, विमलेश आनंद और किशोर घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा है। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक और खलासी मौके से फरार हो गए हैं।

कलकत्ता हाईकोर्ट का बंगाल सरकार को निर्देश, शांति बनाए रखने के लिए उठाए कड़े कदम

कोलकाता : भाजपा नेता और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने याचिका दायर की थी कि काली पूजा के एक दिन बाद राजाबाजार इलाके में एक विशेष समुदाय की भीड़ ने प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर हमला किया, जिससे इलाके में तनाव फैला।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को बंगाल सरकार को सख्त निर्देश दिए। हाईकोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि लोग बिना किसी व्यवधान के हर्षोल्लास के साथ त्योहारों का जश्न मनाएं। कोर्ट ने बंगाल सरकार को सभी कड़े कदम उठाने के लिए कहा। ताकि त्योहारी सीजन के दौरान शांति बनी रहे।

मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम और न्यायाधीश हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने भाजपा नेता और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी की याचिका पर सुनवाई करते हुए सरकार को निर्देश दिए। पीठ ने राज्य सरकार को 18 नवंबर तक हलफनामे के रूप में एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। साथ ही याचिकाकर्ता से भी 21 नवंबर तक अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने को कहा है।

याचिका में आरोप लगाया गया था कि काली पूजा के एक दिन बाद कोलकाता के नारकेलडांगा थाना अंतर्गत राजाबाजार इलाके में एक विशेष समुदाय की भीड़ ने प्रतिमा विसर्जन जुलूस पर हमला किया, जिससे इलाके में तनाव फैला।

इस पर राज्य सरकार की तरफ से महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने दावा किया कि अलग-अलग समुदाय के लोगों के आपस में टकराव संबंधी आरोपों में कोई सच्चाई नहीं है। दो लोगों के बीच झड़प के कारण कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ गई और उसके फलस्वरूप हुई हिंसा में कुछ पुलिस अधिकारी भी घायल हो गए। उन्होंने बताया कि घटना के सिलसिले में कम से कम छह प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं और 23 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गौरतलब है कि कोलकाता के राजा बाजार इलाके में काली पूजा मूर्ति विसर्जन के दौरान पथराव की घटना हुई थी।

7.5 लाख रु की ऋण राशि पर सरकार द्वारा 75 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी दी जाएगी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने केन्द्रीय क्षेत्र की एक नई योजना पीएम विद्यालक्ष्मी को मंजूरी दे दी है। इस नई योजना का उद्देश्य मेधावी विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है ताकि वित्तीय बाधाएं किसी को भी उच्च शिक्षा प्राप्त करने से न रोकें। पीएम विद्यालक्ष्मी राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 से निकली एक और महत्वपूर्ण पहल है, जिसने यह सिफारिश की थी कि सार्वजनिक और निजी, दोनों प्रकार के उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) में विभिन्न उपायों के माध्यम से मेधावी विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जानी चाहिए। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत, गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा संस्थान (क्यूएचईआई) में प्रवेश लेने वाला कोई भी विद्यार्थी टयूशन फीस की पूरी राशि और पाठयक्रम से संबंधित अन्य खर्चों को कवर करने हेतु बैंकों और वित्तीय संस्थानों से गिरवी मुक्त एवं गारंटर मुक्त ऋण प्राप्त करने का पात्र होगा। यह योजना एक सरल, पारदर्शी एवं विद्यार्थियों के अनुकूल प्रणाली के माध्यम से संचालित की जाएगी, जो अंतर- संचालनीय और पूरी तरह से डिजिटल होगी। यह योजना एनआईआरएफ रैंकिंग द्वारा निर्धारित देश के शीर्ष गुणवत्ता वाले उच्च शिक्षण संस्थानों में लागू होगी। इस योजना में एनआईआरएफ के समग्र, श्रेणी-विशिष्ट और डोमेन -विशिष्ट रैंकिंग में शीर्ष 100 में स्थान रखने वाले सभी एचईआई, सरकारी एवं निजी, शामिल हैं। एनआईआरएफ रैंकिंग में 101-200 में स्थान रखने वाले राज्य सरकार के उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) और केन्द्र सरकार द्वारा प्रशासित सभी संस्थानों को इसमें शामिल किया है।

इस सूची को एनआईआरएफ के नवीनतम रैंकिंग का उपयोग करके हर वर्ष अद्यतन किया जाएगा और शुरुआत 860 योग्य क्यूएचईआई से होगी, जिसमें 22 लाख से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे जो अपनी इच्छानुसार संभावित रूप से पीएम-विद्यालक्ष्मी का लाभ उठा सकेंगे। कुल 7.5 लाख रुपये तक की ऋण राशि के लिए, विद्यार्थी बकाया डिफॉल्ट के 75 प्रतिशत की क्रेडिट गारंटी के भी पात्र होंगे। इससे बैंकों को इस योजना के तहत विद्यार्थियों को शिक्षा ऋण उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।

आरबीआई गवर्नर बोले-सरकारी सब्सिडी चिंता का विषय

नई दिल्ली (ईएमएस)। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को विभिन्न योजनाओं के तहत सरकार की ओर से दी जा रही सब्सिडी पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्यों का पूंजीगत व्यय बढ़ रहा है, लेकिन उच्च सब्सिडी व्यय चिंता का विषय है।

दास मुंबई में आयोजित बीएफएसआई शिखर सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सब्सिडी व्यय बहुत अधिक है और पहली तिमाही में सरकारी व्यय जीडीपी को नीचे खींच रहा है। गवर्नर ने कहा कि सरकारी व्यय में वृद्धि शुरू हो गई है। केंद्र और राज्यों के राजस्व और पूंजीगत व्यय दोनों में वृद्धि शुरू हो गई है। सब्सिडी व्यय एक मुद्दा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि जुलाई-सितंबर तिमाही में सरकार

जन हितैषी

कनाडा में सिखों और हिंदुओं के बीच में बटोगे तो कटोगे का नारा

कनाडा में खालिस्तान समर्थक और हिंदुओं के बीच जो विवाद है वह विवाद अब हिंदू और सिखों के बीच का विवाद बन गया है। खालिस्तानी समर्थकों ने हिंदू मंदिर को अपना निशाना बनाया। कनाडा में रविवार को टोरंटो के हिंदू सभा के मंदिर में हमला किया गया। मंदिर परिसर में दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ। लाठी-डंडे चले। ब्रिटिश कोलंबिया स्थित सर्री में लक्ष्मी नारायण के मंदिर में महिलाओं और बच्चों के साथ मारपीट की गई। यह घटना कनाडा और भारत के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों में चर्चा का विषय बन गई है। भारतीय उच्च आयोग ने मंदिर में कैंप तैयार किया था। खालिस्तान समर्थक इसका विरोध कर रहे थे। विरोध स्वरुप यह प्रदर्शन किया गया था, जो बाद में झगड़े में तब्दील हो गया। कनाडा का हिंदू समुदाय गुस्से में है। भारत सरकार ने भी कड़ी आपत्ति जताई है। कनाडा के प्रधानमंत्री ने भी इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने की प्रतिबद्धता जताई है। कनाडा की पुलिस ने तीन लोगों को घटनास्थल से गिरफ्तार किया है। कनाडा की सरकार ने अपने एक पुलिसकर्मी सार्जेंट को निलंबित भी कर दिया है। कनाडा के प्रधानमंत्री सहित अन्य राजनेताओं ने इस घटना की निंदा की है। कनाडा के प्रधानमंत्री ने यह भी कहा है कि कनाडा के हर नागरिक को स्वतंत्र रूप से अपने धर्म का पालन करने का अधिकार है। इस घटना के बाद भारत सरकार और कनाडा के हिंदू संगठनों विशेष रूप से विश्व हिंदू परिषद के सदस्यों ने जिस तरह की प्रतिक्रिया दी है उसको देखते हुए यही कहा जा सकता है कि कनाडा में भारतीय हिंदू और सिख आपस में बंट गए हैं। खालिस्तान समर्थक सिख हों या अन्य सिख जो खालिस्तान का समर्थन भी नहीं करते हैं, कनाडा में उन दोनों को एक ही नजर से देखा जा रहा है। जिस तरह के आरोप हिंदू संगठनों द्वारा लगाए जा रहे हैं, उसके बाद वहां तनाव और भी बढ़ रहा है। भारतीय दूतावास जिस तरह से हिंदुओं के पक्ष में काम कर रहा है, उसके कारण भी कनाडा में हिंदू और सिखों के बीच में अलगाव और तनाव देखने को मिल रहा है। कनाडा में अभी तक सिख और हिंदू भारतीय बनकर रह रहे थे, लेकिन निज्जर की हत्या के बाद जो दूरियां दोनों समुदाय के बीच में बन रही हैं उसमें भारत की छवि सारी दुनिया में कट्टरवादी के रूप में बनने लगी है। अभी तक सारी दुनिया के देशों में भारतीयों को शांतिप्रिय और कानून का पालन करने वाला समझा जाता था। भारतीय जिन-जिन देशों में गए हैं वहां पर वह दूध में पानी की तरह मिलाकर अपना अलग स्थान बनाने के लिए जाने जाते रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा में हिंदू समुदाय के लोग जिस तरीके से शक्ति प्रदर्शन कर रहे हैं, उसके बाद अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसे देशों में भारतीयों की एक अलग छवि बनने लगी है। अमेरिका में भी नस्लवादी संगठन भारतीयों पर बड़े पैमाने पर हमले करने लगे हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के भारतीय मूल का होने के कारण उन पर भारतीयों के साथ पक्षपात करने के आरोप लगे। उन्हें समय से पहले ही चुनाव कराना पड़े और ब्रिटेन में भारतीय मूल के ऋषि सुनक की पार्टी की करारी पराजय हुई। अमेरिका में भारतीय मूल के लोगों ने बड़ी तेजी के साथ राजनीति में अपनी जगह बनाना शुरू की थी। भारतीयों के बारे में यह धारणा बनी हुई थी कि यह शांतिप्रिय और सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास करते हैं। जिसके कारण अमेरिका में कई प्रातों में महापौर, सीनेट और उपराष्ट्रपति जैसे पदों पर बड़ी तेजी के साथ भारतीय आगे बढ़े हैं। न्यायपालिका में भी भारतीय मूल के लोगों की संख्या बढ़ी है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका में भी भारतीय मूल के लोगों को लेकर एक अलग तरह का तनाव देखने को मिला है। भारत सरकार भी इस मामले में जिस तरह से संबंधों को लेकर कूटनीति को लेकर मामलों को हैंडल किया जाना चाहिए था उसकी जगह दादागिरी के माध्यम से जिस तरह की राजनीति की जा रही है आगे चलकर वह भारत के लिए बड़ी मुसीबत का कारण बन सकती है। निज्जर हत्याकांड के बाद भारत सरकार को कूटनीति के तरीके से जिस मामले को निपटाना चाहिए था, उसके स्थान पर भारत सरकार ने सार्वजनिक रूप से जिस तरह से कनाडा के प्रधानमंत्री के ऊपर एक के बाद एक कई बार किए गए उसके कारण यह तनाव इतना बढ़ गया कि कनाडा में ही अब दो समूह बन गए हैं। एक समूह सिखों के रूप में पहचाना जा रहा है तो दूसरा समूह हिंदू के रूप में पहचाना जा रहा है। कनाडा में हिंदू और सिख दोनों अलग-अलग समुदाय के रूप में देखे जा रहे हैं। हिंदुओं के मंदिर हैं वहीं सिखों के गुरुद्वारा हैं। कनाडा में भी अब धार्मिक आधार पर हिंदू और सिख बटते हुए नजर आ रहे हैं। भारत में जब किसान आंदोलन चल रहा था, उसी समय पंजाब के किसानों को खालिस्तानी समर्थक बताकर भारत सरकार ने एक बड़ी गलती की थी। भारत में भी पंजाब के किसानों के ऊपर जिस तरह के आरोप लगे थे, उस कारण भारत में भी सिखों के बीच में नाराजी देखने को मिल रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह से नए-नए राजनीतिक औद्योगिक व्यापारिक एवं सैन्य समीकरणों को लेकर रूस चीन उत्तर कोरिया ब्राज़ील एवं खाड़ी देशों के बीच नए समीकरण बन रहे हैं। उसमें भारत को निशाने पर रखा जा रहा है। इसी तरह अमेरिका, नाटो देश, इजराइल, यूक्रेन इत्यादि का एक नया समीकरण बना हुआ है, जिस तरह से यूक्रेन और रूस के बीच में पिछले कई माह से युद्ध चल रहा है। इजराइल का हमास, ईरान, हिज्बुल्लाह और अन्य खाड़ी देशों के साथ तनाव बना हुआ है। इसे देखते हुए अमेरिका भी भारत को अपने दबाव में रखना चाहता है। इसके चलते हाल ही में अमेरिका ने भारत की 19 कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिका कनाडा के साथ खड़ा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने जिस तरह से रूस, चीन और अमेरिका के साथ अपने संबंध बनाए हैं उसके कारण दोनों ही महाशक्तियों के बीच में भारत की विश्वसनीयता घटी है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को बहुत सावधानी के साथ अपनी विदेश नीति को दीर्घकालीन संबंधों को ध्यान में रखते हुए बनानी होगी। यदि तीसरा विश्व युद्ध हुआ तो दोनों ही पक्ष भारत को अपने निशाने पर लेना चाहते हैं। भारत तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। ऐसी स्थिति में चीन और अमेरिका की नजरों में भारत खटक रहा है। रूस भी कभी नहीं चाहेगा कि भारत आर्थिक और सामरिक दृष्टि से इतना मजबूत हो जाए कि कल उसे भी चुनौती मिलना शुरू हो जाए। इसको ध्यान में रखते हुए भारत सरकार को सभी देशों के साथ अपने संबंध यदि गुटनिरपेक्ष देश के रूप में बनाए रखने में सफलता मिलेगी तभी यह जाकर संभव होगा। भारत सरकार को वर्तमान स्थिति पर गंभीरता के साथ विचार करना होगा। सारी दुनिया के देशों में भारत की जो शांतिप्रिय छवि बनी हुई है उसको बनाए रखने के लिए कट्टर हिंदुवाद से बचने की जरूरत है। वर्तमान संदर्भ में यही कहा जा सकता है।

अब एक और नयी दिल्ली बसने का समय

ये दिल्ली किसकी दिल्ली है ? ये मुगलों की दिल्ली है ? ये अंग्रेजों की दिल्ली है ? ये आजाद भारत की राजधानी दिल्ली है ? पता नहीं ये किसकी दिल्ली है ? ये दिल्ली किसी की भी दिल्ली हो लेकिन आज की दिल्ली रहने लायक दिल्ली नहीं है । यहाँ सांस लेना मुहाल है । दिल्ली जिस यमुना के तीरे बसी है वो दिल्ली फसूकर डाल रही है।इस यमुना के तीरे कोई कदम्ब की डाल नहीं है जिसके ऊपर बैठकर दो पैसे की बंशी बजाकर कोई धीर-धीरे कन्हैया बन सके यानि अब हमें एक और नयी यमुना तथा एक और नई दिल्ली बनाना होगी । इस दिल्ली से, इस यमुना से देश की जनता काम नहीं चलने वाला ।

हमारी सरकार ने पिछले दस साल में अंग्रेजों के जमाने का ,मुग़लों के जमाने का और तो और कांग्रेस के ज़माने का बहुत कुछ बदला है। शहरों के ,स्टेशनों के,सड़कों के ,स्टेडियमों के नाम बदले हैं ,इसलिए हम चाहते हैं कि अब सरकार इस जानलेवा दिल्ली को भी बदल ही दे तो बेहतर । सरकार समर्थ सरकार है । सरकार ने नई संसद बना दी तो नई दिल्ली को कोई नया नाम देकर किसी दूसरी जगह बसाया जाना चाहिए । आज की दिल्ली ,कल की दिल्ली से ज्यादा भयावह है । ये बहादुरशाह की दिल्ली भी नहीं है और पंडित जवाहर लाल नेहरू की भी दिल्ली नहीं है । आज की दिल्ली पंडित नरेंद्र दामोदर दास मोदी की दिल्ली है। बजबजाती दिल्ली,गंधाती दिल्ली।

बचपन में हमने सुना था कि दिल्ली की बात निराली होती है लेकिन आज देख रहे हैं कि दिल्ली की बात निराली नहीं काली है। दिल्ली वो अब दिल्ली नहीं बल्कि जलती हुई पराली है। इस दिल्ली में लोग जान हथेली पर रखकर जी रहे हैं क्योंकि दिल्ली को हवा सांस लेने लायक नही। दिल्ली का प्रदूषण सरकार नहीं ,बेहोश जनता बढ़ा रही है। जनता पर दोष इसलिए मढ़ रहा हूँ ,क्योंकि जनता बेचारी होती है । सरकार पर दिल्ली की बदहाली का दोष मढ़ने का साहस मुझमें नहीं है। ये दिल्ली अरविंद केजरीवाल और अमित शाह के बीच बंटी हुई दिल्ली है। ये दोनों ही इस दिल्ली के भाग्यविधाता हैं। बाकी तो केवल बातें हैं और बातों का क्या ?

हम दिल्ली को बेकार बताएँगे तो सरकार हमें भी दूसरों की तरह अर्बन नक्सली कहने में देर नहीं लगाएगी,इसलिए हम खामोश हैं लेकिन सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के वायु प्रदूषण विशेषज्ञ विवेक चट्टोपाध्याय बताते हैं कि 2006 के बाद से दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है. जबकि इस साल अक्टूबर से लेकर इस महीने का सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड का एयर क्वालिटी इंडेक्स देखें तो दिल्ली-एनसीआर की हवा लगातार बहुत खराब या खराब स्थिति में बनी हुई है। अब सरकार विवेक जी को अर्बन नक्सली कहने लगे तो हमारी बला से।

हम जानते हैं,आप जानते हैं, सरकार जानती है ,सब जानते हैं कि दिल्ली में कुल आबादी का 55 प्रतिशत हिस्सा सड़क के 300 से 400 मीटर के दायरे में रहता है. ऐसे में वाहनों से निकलने वाले प्रदूषण के सीधे प्रभाव में वही आते है। जिसका प्रभाव यह होता है कि वे इस प्रदूषण को सीधे सांस के माध्यम से खींचते हैं। इस वजह से सांस से जुडी समस्याएं सबसे ज्यादा सामने आती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन मानता है कि भारत में 100 फीसदी आबादी जिन इलाकों में रहती है वहां पीएम 2.5 का स्तर डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइंस को पूरा नहीं करता। .यहां प्रदूषण स्तर इतना ज्यादा होता है कि महज कुछ दिनों में ही गंभीर बीमारियां पैदा हो सकती।

दिल्ली दरअसल अब कबूतर -खाना है। यहां सम्पन्न इलाकों को छोड़ दिया जाये तो ज्यादातर मकान कबूतर के दड़बों जैसे ही है। वे झुग्गियां हों या करोड़ ,दस करोड़ के फ़्लैट और बंगले ,सबकी हवा प्रदूषित है । दुनिया की तमाम मशीने , दिल्ली की हवा को स्वच्छ नहीं कर पा रहीं। हवा को शुद्ध ,हवा ही करती है। पेड़-पौधे करते है। फैक्ट्रियों से उठता धुंआ नहीं। सरकारों के बूते की ये बात है भी और नहीं भी। सरकार न यमुना को मरने से बचा पा रही है और न दिल्ली को। दिल्ली की सीमा से लगे हरियाणा,उत्तरप्रदेश और राजस्थान में डबल इंजिन की सरकारें हैं लेकिन वे न दिल्ली की सुनतीं हैं और न दिल्ली उनके कान उमेठ पाती है।

हमारी पीढी उस दिल्ली को मरता हुआ देख रही है जो पहले इतनी जानलेवा नहीं थी । इस दिल्ली में इंसान ही नहीं बल्कि बेजान इमारतें ,स्मारक,समाधियां ,मंदिर, मस्जिद सबके सब प्रदूषण के शिकार हैं। दिल्ली की दोनों सरकारें या तो कानों में कपास के फाहे लगाए बैठीं हैं या उन्होंने आज के जमाने के ईयर वड लगा रखे है। किसीको कुछ सुनाई नहीं देता,कुछ दिखाई नहीं देता। दिल्ली धृतराष्ट्र और गांधारी की दिल्ली बनकर रह गयी है।

आज से पचास साल पहले जब मै दिल्ली जाता था तब की दिल्ली आज की दिल्ली से भिन्न थी । एक जमाने में मैंने पचकुइया मसान के बाहर भी ताजा हवा का अहसास किया था,लेकिन आज वहां भी ताजा हवा नहीं है। दिल्ली में कहीं भी ताजा हवा नहीं है । दिल्ली की हवा खराब है,बहुत ज्यादा खराब। इसे नामुमकिन को मुमकिन करने वाले हमरे देश के प्रधानमंत्री भी दुरुस्त नहीं कर पा रहे हैं। दिल्ली कोई ईवीएम भी तो नहीं है जो सरकार का कहना माने त। दिल्ली तो दिल्ली है । दिल्ली वालों ने आधी कमान आम आदमी पार्टी को सौंप रखी है और आधी मोदी जी को। मुझे लगता है कि दिल्ली को शायद इसी वजह से ज्यादा भुगतना पड़ रहा है।

दिल्ली ही क्या पूरा देश प्रदूषण की गिरफ्त में है । दिल्ली की तरह हमारी सियासत प्रदूषित है । हमारे मजहब प्रदूषित हो रहे हैं या जानबूझकर किये जा रहे हैं। सबको अपनी-अपनी फ़िक्र है । देश और दिल्ली की नहीं। दिल्ली में सरकार को अब रेलों में टंगी उन तख्तियों की तरह एहतियातन ऐसे होर्डिंग लगवा देना चाहिए कि -दिल्ली वाले अपनी जान-ममाल की रक्षा खुद करें क्योंकि ये जान ,ये माल दिल्ली वालों का है। दिल्ली को अब शायद भगवान भी नहीं बचा सकता ,हालाँकि दिल्ली के लोग भगवान भरोसे ही अब तक ज़िंदा हैं।

वर्षों पहले मैंने पड़ौस में चीन की राजधानी बीजिंग और चीन के मुंबई कहे जाने वाले शंघाई में प्रदूषण की दुर्दशा को देखा था और मन ही मन भगवान का शुक्रिया अदा किया था कि कम से कम हमारी दिल्ली तो बीजिंग जैसी प्रदूषित नहीं है। बीजिंग में प्रदूषण की चादर को सूर्य भगवान भी नहीं भेद पाते । वहां दिन में इतनी धूप नहीं खिल पाती कि आप अपने घर की छत या बालकनी में मसाले या अपने चड्डी-बनियान सुखा लें। अब दिल्ली ने बीजिंग को भी पीछे छोड़ दिया है।

अब हमारे पास दो ही विकल्प हैं। पहला ये कि हम 1 करोड़ 70 लाख से ज्यादा आबादी वाली दिल्ली को ऐसे मास्क उपलब्ध कराएं जो उनके फेंफड़ों में जाने वाली हवा में घुला प्रदूषण सोख ले और दूसरा ये कि हम दिल्ली को खाली करा लें और कहीं दूर नयी जगह ,देश की नई राजधानी बनाएं। दिल्ली को खाली करना कठिन टास्क है । दिल्ली की जनता को हैलमेट की तरह मास्क लगाना अनिवार्य किया जा सकता है। हमें उम्मीद है कि यदि भाजपा अपनी कार्य योजना के तहत यदि अगले 35 साल तक देश की सत्ता सम्हालती है तो या तो वो नए संसद भवन की तरह कहीं कोई नयी दिल्ली बना लेगी या फिर मौजूदा दिल्ली को बचने के लिए कोई मिस्डकॉल आंदोलन शुरू करेगी । फ़िलहाल तो हमारी बड़ी सरकार अपनी पार्टी कि नए भवन बनाने में मशगूल है दिल्ली की हांफती,खांसती, जनता और फसूकर डालती यमुना के प्रति मेरी कोटि-कोटि संवेदनाएं हैं, सहानुभूति है ,क्योंकि इस प्दशन कि खिलाफ हमारे देश की सबसे बड़ी अदालत भी हथियार डाल चुकी है । भगवान दिल्ली की और दिल्ली वालों की रक्षा करे। वैसे भी पूरा देश दिल्ली की तरह बीमार होता जा रहा है। (लेखक - राकेश अचल / ईएमएस)

विश्व में 11 शास्त्रीय भाषाओं वाला भारत इकलौता देश बना

वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ के देशों को सर्वविदित है कि भारत अनेक जातियों भाषाओं धर्मों का एक गढ़ है जहां हर समूह अपनी भाषाओं की मिठास और समृद्धि को महकाते हुए अपनी मातृभाषा की धरोहर संजोए हुई है।भारत बहुत भारी तादाद में हर समाज भाषाओं उपभाषाओं,बोलियां में अपनी अभिव्यक्ति व्यक्त करता है।यह भाषाएं वह बोलियां इतनी मीठी होती है कि हर भाषा को बोलने के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न हो जाती है कि काश मैं यह भाषा बोल पाता। तमिल तेलुगू सिंधी संस्कृति बंगाली मराठी असमिया मारवाड़ी पंजाबी गुजराती सहित पूरे भारत में हजारों लाखों म बोलियां है,जिनकी मिठास का अद्भुत आगाज़ होता है, परंतु हमारे संविधान निर्माता और बाद में संशोधन द्वारा भारत में संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषाओं को दर्ज किया गया है जिसमें केंद्र व राज्य सरकारें भी बहुत सहायता करते हैं विशेष रूप से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में तो मातृभाषाओं को बहुत अधिक महत्व दिया गया है फिर भी हिंदी एक ऐसी भाषा है जो अंतरराष्ट्रीय स्तरपर जानी वह समझी जाती है यह राजकीय भाषा है जिसे राष्ट्रीय भाषा बनाने के प्रयास दशकों से प्रयास शुरू है। इस विषय पर आज हम बात इसलिए कर रहे हैं क्योंकिदिनांक 4 नवंबर 2024 को देर रात्रि केंद्रीय हिंदी समिति की 32वीं बैठक नई दिल्ली में समाप्त हुई जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय गृहमंत्री ने की जिसमें 9 केंद्रीय मंत्री 6 राज्यों के मुख्यमंत्री संसदीय राजभाषा समिति के अध्यक्ष एवं 3 संयोजकों सहित कुल 21 सदस्य हैं,सभी उपस्थित थे। बता दें विश्व में 11 शास्त्रीय भाषाओं वाला भारत एक इकलौता देश है, तथा भारत में इंजीनियरिंग मेडिकल प्राथमिक व सेकेंडरी शिक्षा भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होने से सभी भाषाओं के विकास को अनुकूल माहौल सराहनीय है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, केंद्रीय हिंदी समिति की 32 वीं बैठक का आगाज़,युवा पीढ़ी की 100 पेर्सेंट क्षमता का उपयोग करने के लिए अपनी मातृभाषा पढ़ना सोचना व विश्लेषण करना ज़रूरी है।

साथियों बात अगर हम 4 नवंबर 2024 को देर रात्रि समाप्त हुई 32वीं केंद्रीय हिंदी समिति की बैठक के आगाज़ की करें तो,दिल्ली में केंद्रीय हिंदी समिति की 32 वीं बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि भाषाओं के संरक्षण को लेकर मोदी सरकार के कार्यकाल में खूब काम किया गया।समय-समय पर इसके लिए प्रचार भी किए जाते रहे हैं।उन्होंने कहा कि पीएम के नेतृत्व वाली सरकार में कुछ समय पहले ही पांच और भारतीय भाषाओं को शास्त्रीय भाषा में शामिल किया गया,केंद्रीय गृह मंत्रीने कहा कि केंद्रीय हिंदी समिति इस उद्देश्य से काम करती है कि हिंदी साहित्य का संरक्षण किया जाना चाहिए, उन्होंन कहा कि हिंदी को इस्तेमाल करके देश की संपर्क भाषा के रूप में स्थापित की जाए। भाषा सशक्त बनाने के लिए सरकार ने पिछले 5 सालों में किए गए कामों को लेकर बताया कि हिंदी शब्दसिंधु शब्दकोष को तैयार किया गया,उन्होंने कहा कि आने वाले 5 सालों में इसे इतना ज्यादा इस्तेमाल किया जाएगा कि ये दुनियाँ में सबसे ज्यादा इस्तेमाल किया जाने वाला शब्दकोष बन जाएगा।उन्होंने हिंदी की शक्ति को बताते हुए कहा कि जब तक हम सभी भारतीय भाषाओं को मजबूत करने कि दिशा में काम रहे होते हैं तो इससे हम अपने विकास को मजबूत करते हैं,उन्होंने भारतीय भाषाओं को लेकर आंकड़ों के जरिए बताया कि 11 भाषाओं को शास्त्रीय भाषाओं में शामिल करने वाला अकेला एकमात्र देश है। पीएम ने सभी सार्वजनिक मंचों से हिंदी भाषा के इस्तेमाल और बोले जाने के लिए देशवासियों को प्रेरित किया है, पीएम ने हिंदी भाषा के व्यापक तौर पर प्रचार-प्रसार के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भी इसके बारे में चर्चा की है,उन्होंने कहा कि सभी अंतरराष्ट्रीय मंच पर हिंदी में अपनी बात को कहकरपीएम ने इसके प्रचार में बेजोड़ काम किया है, जब बच्चे अपने शुरुआती शिक्षा को ग्रहण की शुरुआत मातृभाषा में करते हैं तो वो अपनी क्षमताओं का पूरा विकास कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम दुनियाँ के इकलौते देश भारत में 11 शास्त्रीय भाषाओं की करें तो (1) तमिल-2004 (2) संस्कृत -2005 (3) तेलुगु-2008 (4) कन्नड-2008 (5) मलयालम-2013 (6) उड़िया-2014 (7) मराठी -2024 (8) पाली-2024 (9) प्राकृत-2024 (10) असमियाँ -2024 (11) बंगाली-2024 शास्त्रीय भाषा के मानदंडो के अनुसार,भाषा का 1500 से 2000 पुराना रिकॉर्ड होना चाहिए. साथ ही भाषा का प्राचीन साहित्य / ग्रंथो का संग्रह होना चाहिए।शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता प्राप्त होने के बाद प्राचीन साहित्यिक धरोहर जैसे ग्रंथों, कविताओं, नाटकों आदि का डिजिटलीकरण और संरक्षण किया जाता है।इससे आने वाली पीढ़ियाँ उस धरोहर को समझ और सराह सकती हैं।शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने से उस भाषा और उसकी सांस्कृतिक विरासत के प्रति समाज में जागरूकता और सम्मान दोनों बढ़ता है, साथ ही उस भाषा के दीर्घकालिक संरक्षण और विकास को भी गति मिलती है।सरकार ने मराठी, पाली, प्राकृत, असमिया और बंगाली को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है, जिससे भारत में शास्त्रीय भाषाओं की संख्या बढ़कर 11 हो गई है, इन भाषाओं का ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है, और शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने से इनके संरक्षण, अध्ययन और शोध को बढ़ावा मिलेगा बता दें साल 2013 में तत्कालीन महाराष्ट्र सरकार ने मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने का प्रस्ताव केंद्र को भेजा था, जिसे अब मंजूरी मिल गई है, यह फैसला महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों से ठीक पहले आया है, जिसे एक राजनीतिक कदम भी माना जा रहा है।

साथियों बात अगर हम समिति के बारे में समझने की करें तो केन्द्रीय हिन्दी समिति हिन्दी के प्रचार-प्रसार तथा प्रगामी प्रयोग के संबंध में दिशा-निर्देश देने वाली सर्वोच्च समिति है। समिति का कार्य हिन्दी के विकास और प्रसार में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे कार्यों और कार्यक्रमों का समन्वय करना है। अपने काम के निष्पादन में सहायता देने के लिए समिति को आवश्यकतानुसार उप-समितियां नियुक्त करने और अतिरिक्त सदस्य सहयोजित करने का अधिकार है। समिति का कार्यकाल सामान्युतः तीन वर्ष का होता है। वर्तमान समिति का पुनर्गठन 09 नवंबर, 2021 को किया गया था।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि केंद्रीय हिंदी समिति की 32वीं बैठक का आगाज़-युवा पीढ़ी की 100 पर्सेंट क्षमता उपयोग करने,अपनी मातृभाषा में पढ़ना, सोचना, विश्लेषण करना ज़रूरी।विश्व में 11 शास्त्रीय भाषाओं वाला भारत इक लौता देश बना।भारत में इंजीनियरिंग मेडिकल प्राथमिक व सेकेंडरी शिक्षा भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होने से सभी भाषाओं के विकास का अनुकूल माहौल सराहनीय। (लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी /ईएमएस) (संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभक़ार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी))

समय पर पता चलने पर संभव है कैंसर का निदान

राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस (7 नवम्बर) पर विशेष

किसी भी व्यक्ति के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है, जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं। कैंसर जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे मरीजों में आशा की नई उम्मीद जगाने, लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने, प्राथमिक स्तर पर कैंसर की पहचान करने और इसके शीघ्र निदान तथा रोकथाम के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से भारत में प्रतिवर्ष 7 नवम्बर को 'राष्ट्रीय कैंसर जागरूकता दिवस' मनाया जाता है। वास्तव में यह महज एक दिवस भर नहीं है बल्कि कैंसर से लड़ रहे उन तमाम लोगों में नई चेतना का संचार करने और नई उम्मीद पैदा करने का विशेष अवसर भी है।

भारत में कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का अब उपचार संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी, इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो, जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो इसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह भी जान लें कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनियाभर में कैंसर से लड़ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का प्रारम्भिक स्टेज में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन, पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना, रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना, शारीरिक थकान व कमजोरी, चक्कर आना, उल्टी होना, दौरे पड़ना शुरू होना, आवाज में बदलाव आना, सांस लेने में दिक्कत होना, खांसी के दौरान खून आना, लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना, पेशाब और शौच के समय खून आना, शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी, बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में, सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी। (लेखक – योगेश कुमार गोयल/ईएमएस) (लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

शब्द पहेली - 8180

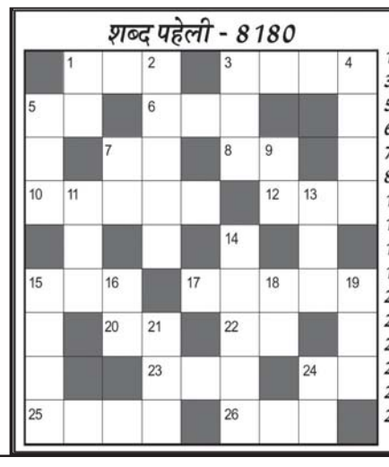

बाएँ से दाएँ

1.सुगंध,खुशबू-3
3.व्यवस्था-2,2
5.आम लोग-2
6.चिंतन,सोच विचार-3
7.पराया-2
8.विनाश,विध्वंस-2
10.अपने ही घर में बंधक-5
12.वसय,घेरा-3
15.आंचल,पल्लू-3
17.सेंधमार-5
20.भाग्य (अंग्रेजी-2)
22.एक सवारी गाड़ी-2
23.पीहर,पिता का घर-3
24.नवीन,नया,नवजात-2
25.लात मारना-4
26.जोंक,न भरने वाला जख्म-3

ऊपर से नीचे

1.जी,चित्त,इच्छा-2
2.करधनी,कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
3.तार कसना-3
4.जोकर,विदुषक-4
5.दुनिया,जगत-3
7.पंख-2
9.सदैव,हरदम-2
11.जन्म,पैदा होना-3
13.जुड़वा-3
14.आश्चर्य में पड़ना-5
15.जंगल की आग-4
16.टोंटी,नलका-2
18.वश,अधीन-2
19.परिणाम,हल-3
21.अर्जित करना-3
24.लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8179 का हल

वृ	क्ष		अ	ग	ध	ना	जु
	मा	न	क		हु

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 901 , निफ्टी 270 अंक ऊपर आया

मुंबई (ईएमएस) । घरेलू शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से भी आया है। इसके अलावा अमेरिका में रिपब्लिकन डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनावों में जीतने से भी बाजार को बल मिला है। आज सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही एक फीसदी से ज्यादा बढ़कर बंद हुए। कारोबार के अंत में आईटी क्षेत्र में आई भारी खरीददारी से भी बाजार में उत्साह आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स901.50अंक करीब 1.13 फीसदी उछलकर 80,378.13 पर बंद हुआ।

वहीं दूसरी ओर 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 270.75 अंक तकरीबन 1.12 फीसदी बढ़ने के बाद 24,484 पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक 110.15 अंक करीब 0.21 फीसदी बढ़ने के बाद 52,317.40 पर पहुंच गया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स कारोबार के अंत में 1,240.35 अंक या 2.21 फीसदी ऊपर आकर 57,355.80 पर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 402.65 अंक या 2.18 फीसदी तेजी के साथ ही 18,906.10 पर बंद हुआ। निफ्टी के ऑटो, आईटी, पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, रियलिटी, मीडिया और एनर्जी सेक्टर में भारी खरीददारी के कारण उछाल आया। सेंसेक्स पैक में टीसीएस, एचसीएल टेक, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एलएंडटी और मारुति के शेयर लाभ में रहे। टाइटन, इंडसइंड बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे। बाजार का रुझान सकारात्मक रहा।

बाजार जानकारों के अनुसार, अमेरिकी चुनाव में ट्रंप को मिले मजबूत जनादेश के साथ राजनीतिक अनिश्चितता कम हुई जिससे भी बाजार में उत्साह का माहौल है।

इससे पहले आज सुबह बाजार में तेजी देखने को मिल रही है। सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान में कारोबार करते दिख रहे थे। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स में 283 अंकों की बढ़त के साथ 79,759 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 ने 57 अंकों की बढ़त के साथ 24,271 के स्तर पर कारोबार करता दिखा।

ताजा आंकड़ों के अनुसार, चीन का मुख्य सीएसआई 300 इंडेक्स 0.17 फीसदी की बढ़त पर है, शंघाई मामूली नकारात्मक रुख के साथ सपाट है, हांगकांग का हैंग सेंग इंडेक्स 1.02 फीसदी नीचे है और जापान का निक्केई 1.39 फीसदी से अधिक की बढ़त पर कारोबार कर रहा है।

सोने-चांदी के दामों में गिरावट

- सोने के भाव 78,450 रुपए, चांदी 93,500 रुपए के करीब

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा भाव में बुधवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव बुधवार 78,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 93,500 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में सोने चांदी की वायदा कीमतों में सुस्ती देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 176 रुपये की गिरावट के साथ 78,331 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 41 रुपये की गिरावट के साथ 78,466 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 78,526 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 78,206 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 79,775 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 519 रुपये की गिरावट के साथ 94,129 रुपये पर खुला। इस समय यह 1,121 रुपये की गिरावट के साथ 93,527 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 94,129 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 93,000 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 1,00081 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। लेकिन बाद में इनके भाव लुढ़क गए। कॉमेक्स पर सोना 2,752.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,749.70 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 2.80 डॉलर की गिरावट के साथ 2,746.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.78 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 32.77 डॉलर था। इस समय यह 0.40 डॉलर की नरमी के साथ 32.37 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

आरबीआई गवर्नर ने चेताया, अक्टूबर में और बढ़ सकती है महंगाई

नई दिल्ली (ईएमएस)। बुधवार को भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने चेतावनी देते हुए कहा कि, अक्टूबर में त्योहारों के चलते महंगाई और बढ़ सकती है। बुधवार को दास ने कहा कि आरबीआई महंगाई को नियंत्रित करने के लिए मजबूत और तेजी से कदम उठाने की तैयारी कर रही है। दास ने चेताया कि महंगाई पर बड़े खतरे बने हुए हैं। भू-राजनीतिक तनाव, कमोडिटी की कीमतों में उतार-चढ़ाव और जलवायु परिवर्तन जैसे कारणों से महंगाई बढ़ सकती है। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था की तुलना टाइगर से की, जो बदलते वैश्विक हालात में भी मजबूती बनाए हुए है। बता दें कि भारत में खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ने से महंगाई बढ़ी है, खासकर सितंबर में महंगाई दर 5.5 प्रतिशत रही, जिसमें सब्जियों के दाम में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत की बढ़ोतरी और खाद्य महंगाई दर 9.24 प्रतिशत पहुंच गई थी। दास ने कहा कि महंगाई और बाहरी चुनौतियों के बावजूद आरबीआई वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। वित्तीय बाजार में हम दो बड़े अंतरराष्ट्रीय घटनाओं अमेरिकी चुनाव परिणाम और चीन की तरफ से वित्तीय सहायता के ऐलान का इंतजार कर रहे हैं। दास ने कहा, अमेरिकी चुनाव का नतीजा किसी भी तरफ जा सकता है। लेकिन एक बात साफ है कि भारत और अमेरिका के संबंध काफी मजबूत हो चुके हैं, और यह स्थिति किसी भी जीतने वाले पक्ष के साथ जारी रहेगी। शक्तिकांत दास ने कहा, भारतीय अर्थव्यवस्था और वित्तीय क्षेत्र वैश्विक घटनाओं के असर को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं। भारत की अर्थव्यवस्था और वित्तीय हालात किसी भी बाहरी प्रभाव का सामना करने के लिए काफी मजबूत हैं।

आर्थिक हालात पर आरबीआई की नजर

दास ने बताया कि आरबीआई आर्थिक हालात पर नजर रखने के लिए लगभग 70-80 हाई-फ्रिक्वेंसी संकेतकों को ट्रैक करता है। कुछ क्षेत्रों में धीमापन है, लेकिन अच्छी बातें खराब बातों से ज्यादा हैं। उन्होंने कहा कि भारत की ग्रोथ आउटलुक अब भी पॉजिटिव है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने 7 प्रतिशत की ग्रोथ का अनुमान दिया है, जबकि आरबीआई का अनुमान 7.2 प्रतिशत है। भारत की ग्रोथ पर बात करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कई मुख्य संकेतों में सुधार का ज़िक्र किया, जिनमें जीएसटी, ई-वे बिल, टोल कलेक्शन, हवाई यात्री संख्या, स्टील की खपत और सीमेंट बिक्री शामिल हैं। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि यह बढ़त भारत की आर्थिक मजबूती को दिखाती है, भले ही औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और शहरी इलाकों में एफएमसीजी की बिक्री में थोड़ी गिरावट देखी जा रही है।

देश में वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में बढ़कर 28,32,944 इकाई हुईः फाडा

मुंबई (ईएमएस)। देश में वाहनों की खुदरा बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर 32 प्रतिशत बढ़कर 28,32,944 इकाई हो गई। दोपहिया तथा यात्री वाहनों सहित सभी खंडों में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। उद्योग संगठन फाडा ने बुधवार को यह जानकारी दी। अक्टूबर 2023 में खुदरा बिक्री 21,43,929 इकाई रही थी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार इस वर्ष अक्टूबर में मजबूत वृद्धि की मुख्य वजह मजबूत ग्रामीण मांग रही। खासकर दोपहिया तथा यात्री वाहनों की बिक्री में तेजी और रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि से समर्थन मिला। यात्री वाहनों की बिक्री 32.38 प्रतिशत बढ़कर 4,83,159 इकाई हो गई, जो अक्टूबर 2023 में 3,64,991 इकाई थी। दोपहिया वाहनों की बिक्री पिछले महीने 36.35 प्रतिशत बढ़कर 20,65,095 इकाई रही जो अक्टूबर 2023 में 15,14,634 इकाई थी। अक्टूबर 2024 में तिपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 11.45 प्रतिशत बढ़कर 1,22,846 हो गई। फाडा के अनुसार अक्टूबर में ट्रैक्टर की बिक्री 3.08 प्रतिशत बढ़कर 64,433 इकाई हो गई, जबकि एक साल पहले इसी महीने में 62,542 इकाई थी। उद्योग संगठन के अनुसार अक्टूबर में प्रमुख त्यौहारों के एक साथ आने से उपभोक्ता मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। आकर्षक त्यौहारी ऑफर, नए मॉडल पेश होने और बेहतर उपलब्धता से दोपहिया वाहनों की बिक्री में सालाना आधार पर 36 प्रतिशत और मासिक आधार पर 71 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अलावा, ग्रामीण मांग, अनुकूल मानसून और अच्छी फसल की उम्मीदों ने भी वृद्धि में योगदान दिया। वहीं यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 32 प्रतिशत और मासिक आधार पर 75 प्रतिशत बढ़ी। यह त्योहारी मांग, बेहतरीन ऑफर और नए मॉडल पेश होने से प्रेरित रही। फाडा समग्र मोटर वाहन उद्योग के निकट भविष्य की वृद्धि को लेकर आशावादी है, खासकर आगामी शादियों को देखते हुए। हालांकि, अत्यधिक स्टॉक और आर्थिक प्रतिकूलताओं जैसी संभावित चुनौतियां वर्ष के अंत में बिक्री की गति को प्रभावित कर सकती हैं।

अक्टूबर में मजबूत मांग के दम पर बढ़ीं देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां

नई दिल्ली (ईएमएस)। मजबूत मांग के दम पर देश में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां सितंबर के 10 महीने के निचले स्तर से उबरकर अक्टूबर में 58.5 पर पहुंच गई। इसे उत्पादन और नए कारोबार में मजबूत विस्तार से समर्थन मिला, जिससे रोजगार सृजन को बढ़ावा मिला। एक मासिक सर्वेक्षण में यह जानकारी दी गई है। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक अक्टूबर में 58.5 रहा जो सितंबर में 57.7 था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब गतिविधियों में विस्तार से और 50 से कम अंक का आशय संकुचन से होता है। एचएसबीसी के एक अर्थशास्त्री ने कहा ?कि भारत की सेवा क्षेत्र की गतिविधियां सितंबर में अपने 10 महीने के निचले स्तर से उबरकर पिछले महीने 58.5 पर पहुंच गई। अक्टूबर में भारतीय सेवा क्षेत्र के उत्पादन तथा उपभोक्ता मांग में मजबूत विस्तार हुआ साथ ही रोजगार सृजन ने 26 महीने का उच्चतम स्तर हासिल किया। नवीनतम आंकड़ों ने भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में नई निर्यात बिक्री की वृद्धि को भी रेखांकित किया। इसका श्रेय सर्वेक्षण में शामिल लोगों ने अफ्रीका, एशिया, अमेरिका, पश्चिम एशिया और ब्रिटेन के ग्राहकों की ओर से मांग में मजबूती को दिया। इसके अलावा सर्वेक्षण में शामिल लोगों से करीब 13 प्रतिशत से रोजगार सृजन होने की बात की, जबकि सितंबर में यह आंकड़ा नौ प्रतिशत था।

डोनल्ड ट्रंप के जीतने के बाद बिटकॉइन में तूफानी तेजी, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा

नई दिल्ली (ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनल्ड ट्रंप के जीतने के बाद क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में जबरदस्त तेजी आई है। बिटकॉइन का भाव रिकॉर्ड हाई 75,011.06 हजार डॉलर के स्तर को छू गया। इससे पहले बिटकॉइन ने 14 मार्च को 73,797.68 डॉलर का सर्वकालिक उच्च स्तर छूआ था। कभी क्रिप्टोकरेंसी के कट्टर आलोचक रहे डोनल्ड ट्रंप का रुख अब बदल चुका है और उन्हें क्रिप्टो समर्थक माना जाने लगा है। वहीं कमला हैरिस ने उपराष्ट्रपति रहते क्रिप्टो उद्योग को लेकर कड़ा रुख अपनाया था। साल 2024 में बिटकॉइन ने 70 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। यह वैश्विक शेयरों और सोने जैसे पारंपरिक परिसंपत्तियों के मुकाबले बहुत ज्यादा है। इस साल का राष्ट्रपति चुनाव क्रिप्टो इंडस्ट्री को लेकर काफी अहम था।

कई लोग हैरिस की जीत को क्रिप्टो के लिए खतरा मान रहे थे वहीं ट्रम्प को क्रिप्टो इंडस्ट्री के लिए पॉजिटिव माना जा रहा था। बिटकॉइन के अलावा अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी तेजी देखी जा रही है। एक समय इथेरियम का रेट 6.5 फीसदी बढ़ गया। ट्रंप समर्थक एलन मस्क द्वारा प्रमोट किए गए डॉजकॉइन, जिसे मेमकॉइन भी कहा जाता है, के भाव में भी 18 फीसदी तक का उछाल आया। डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को क्रिप्टो राजधानी बनाने, एक रणनीतिक बिटकॉइन रिजर्व बनाने और डिजिटल संपत्तियों के पक्षधर नियामकों को नियुक्त करने का वादा चुनाव प्रचार के दौरान किया था।

अब भारतीय म्यूचुअल फंड कर सकेंगे विदेशी फंडों में निवेश

सेबी ने कहा कि यह कदम निवेश प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाने लिया

नई दिल्ली,(ईएमएस)। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने म्यूचुअल फंड कंपनियों (एमएफ) को उन विदेशी म्यूचुअल फंड्स या यूनिट ट्रस्ट्स में निवेश करने की इजाजत दी है, जो अपनी संपत्ति का एक हिस्सा भारतीय प्रतिभूतियों में लगाते हैं। यह फैसला एक परिपत्र के तहत लिया गया और इसके जल्द लागू होने की भी घोषणा की गई है।

सेबी ने कहा कि यह कदम विदेशी म्यूचुअल फंड्स में निवेश प्रक्रिया को सरल बनाने, पारदर्शिता लाने और भारतीय म्यूचुअल फंड्स को अपने विदेशी निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने में मदद करने के उद्देश्य से उठाया गया है। नए निर्देशों के तहत, यह जरुरी होगा कि भारतीय म्यूचुअल फंड्स ऐसे विदेशी कोषों में निवेश करें जिनकी शुद्ध संपत्ति का 25फीसदी से ज्यादा भारतीय प्रतिभूतियों में निवेशित न हो। यदि किसी निवेश के परिणामस्वरूप यह सीमा पार हो जाती है, तो फंड्स को अपनी पोर्टफोलियो स्थिति को संतुलित करने के लिए छह महीने का समय दिया जाएगा। हालांकि इस अवधि में कोई नया निवेश नहीं किया जाएगा। सेबी ने हितों के टकराव को रोकने के उद्देश्य से भारतीय म्यूचुअल फंड्स और विदेशी म्यूचुअल फंड्स के बीच सलाहकार समझौतों पर बैन भी लगाया है। इसके साथ ही सेबी ने यह तय करने की जरुरत पर बल दिया कि विदेशी एमएफ/यूनिट ट्रस्ट्स में किए गए निवेश सभी निवेशकों के लिए एक समान और आनुपातिक अधिकार प्रदान करें।

यह नया नियम म्यूचुअल फंड्स के निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाने और पारदर्शिता तय करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। इसके तहत विदेशी म्यूचुअल फंड्स में निवेश के लिए एमएफ योजनाओं को यह तय करना होगा कि निवेशकों के अंशदान को एक ही साधन में शामिल किया जाए और किसी सहयोगी इकाई के बगैर अलग-अलग पोर्टफोलियो न बनाए जाएं।

विश्लेषकों का मानना है कि सेबी का यह कदम भारतीय म्यूचुअल फंड्स को वैश्विक बाजार में ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनाएगा और उन्हें कई क्षेत्रों में अपने निवेश का विस्तार करने में मदद भी करेगा।

ट्रंप की जीत से चीन को होगा नुकसान, इजराइल होगा और ताकतवर, इन देशों पर पड़ सकता है असर

वॉशिंगटन,6 नवंबर

अमेरिकी चुनावः चूंकि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव जीत गए हैं, इसलिए इसका असर कई देशों पर पड़ेगा. इसका असर भारत समेत चीन, इजराइल, रूस, यूक्रेन और ईरान पर दिखेगा। व्यापार और एच1बी वीजा के मामले में भारत प्रभावित हो सकता है। हालाँकि, इसका अन्य देशों पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं. उनके खिलाफ कमला हैरिस थीं, लेकिन ट्रंप 276 वोटों से जीत गए। इस जीत के बाद वह एक बार फिर अमेरिका की सत्ता संभालने के लिए तैयार हैं.

अमेरिका प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी तरह से चीन से प्रतिस्पर्धा कर रहा है। अमेरिका चीन को अपना सहयोगी मानता है. इसलिए चीन पर इसका असर जरूर दिखेगा. ट्रम्प ने पहले ही एक चुनावी रैली में चीन के साथ व्यापार युद्ध की घोषणा कर दी थी। ट्रम्प के सत्ता में आने से पहले, उन्होंने चीन से 250 अरब डॉलर के आयात पर शुल्क लगाया था। इस बार रैली में ट्रंप ने कहा कि अगर वह सत्ता में आए तो इस डयूटी को 60 से बढ़ाकर 100 कर देंगे. तो अब जब वे जीत गए हैं, अगर वे हमेशा के लिए इस पर बने रहे तो चीन को बहुत नुकसान होगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप प्रशासन में कुछ लोगों का मानना है कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध में अमेरिका यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई बंद या कम भी कर सकता है। साथ ही मदद के लिए सैनिक भी कम भेज सकते हैं. इसलिए रूस के खिलाफ यूक्रेन की ताकत कम हो सकती है. एक रिपोर्ट यह भी है कि यूक्रेन इस युद्ध को जारी रखने के लिए काफी हद तक दूसरे देशों पर निर्भर है। इसलिए अगर अमेरिका को मदद नहीं मिली तो यूक्रेन के लिए बहुत बुरी स्थिति पैदा हो सकती है. इसके साथ ही ट्रंप ने यह भी दावा किया कि वह इस युद्ध को 24 घंटे के अंदर खत्म कर सकते हैं.

इस बयान से ऐसा लग रहा है कि वे यूक्रेन को रूस के साथ समझौता करने के लिए मजबूर कर सकते हैं. अगर ऐसा नहीं हुआ तो यूक्रेन को दिया जाने वाला फंड रोका जा सकता है. अगर अमेरिका ने मदद करना बंद कर दिया तो यूक्रेन अपनी जमीन का एक बड़ा हिस्सा खो देगा और रूस इस पर दावा करेगा. उधर, कमला हैरिस ने कहा कि जब तक यूक्रेन को जरूरत होगी, अमेरिका मदद करेगा। इसलिए इस बात की अधिक संभावना है कि ट्रंप कमला हैरिस के ख़िलाफ़ हैं।

इजराइल डेमोक्रेसी इंस्टीटयूट के सर्वे के मुताबिक 65 फीसदी लोगों का मानना है कि ट्रंप इजराइल के हितों के लिए एक अच्छी पसंद हैं. हालांकि, 13 फीसदी लोगों ने कमला हैरिस को चुना. ट्रंप ने अपने पिछले कार्यकाल के दौरान येरुशलम को इजराइल की राजधानी घोषित किया था. ट्रंप ने कहा, ठजो कोई भी यहूदी है या यहूदी लोगों से प्यार करता है या इज़राइल से प्यार करता है और डेमोक्रेट पार्टी को वोट देता है वह मूर्ख हैठ

दूसरी ओर, कमला हैरिस पर इजराइल को लेकर स्पष्ट न होने का भी आरोप लगा. उन्होंने इज़राइली सेना की रणनीति पर भी सवाल उठाए और आलोचना की. उनकी छवि इसराइल विरोधी बन गयी. इस छवि को सही करने के लिए उन्होंने अगस्त में कहा था कि इजराइल को अपनी रक्षा करने का अधिकार है और इसीलिए वह हमेशा इजराइल के पक्ष में है.

एक रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप की चुनाव जीत ईरान के लिए बेहद बुरी खबर है. इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ईरान के परमाणु संयंत्र पर हमला कर सकते हैं। उसके लिए जो बिडेन ने इजराइल के हाथ बांध दिए थे। अगर कमला हैरिस यह चुनाव जीत जातीं तो वह भी इसराइल को इसके लिए रोक सकती थीं. हालांकि, ऐसी चर्चा है कि डोनाल्ड ट्रंप इसकी इजाजत दे सकते हैं. डोनाल्ड ट्रंप पहले से ही ईरान के ख़िलाफ़ हैं. इसलिए अगर चीन और ईरान चुनाव जीतते हैं तो उन्हें सबसे ज्यादा नुकसान होगा। हालांकि, इससे इजरायल और रूस को फायदा होगा

वैज्ञानिकों की नई खोजः मच्छरों की वृद्धि रोकने वाला बैक्टीरिया

लंदन (ईएमएस)। ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने एक विशेष बैक्टीरिया की खोज की है, जो बीमारियां फैलाने वाले मच्छरों की वृद्धि को रोकने में सहायक हो सकता है। एक्सेटर और वगेनिंजेन विश्वविद्यालयों की शोधकर्ताओं की टीम ने दिखाया है कि यदि मच्छरों के लार्वा असाइआ बैक्टीरिया के संपर्क में आते हैं, तो उनकी वृद्धि में तेजी आती है। यह खोज डेंगू, पीला बुखार, और ज़ीका जैसी मच्छरों द्वारा फैलने वाली बीमारियों की रोकथाम में मदद कर सकती है।

हाल ही में एक मैग्जीन में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, इस बैक्टीरिया ने मच्छरों के विकास के समय को एक दिन बढ़ा दिया है। यह अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे असाइआ बैक्टीरिया मच्छरों के जीवन चक्र को प्रभावित कर सकते हैं। इससे पहले भी ऐसे कार्यक्रम चलाए गए हैं, जिसमें बिना काटने वाले नरों को पैदा करके छोड़ा गया है, ताकि बीमारियों के प्रसार को रोका जा सके। यह तरीका कीटनाशकों के मुकाबले अधिक प्रभावी साबित हो सकता है, खासकर जब मच्छरों ने कीटनाशकों के प्रति प्रतिरोध विकसित कर लिया है।

शोधकर्ता प्रोफेसर बेन रेमंड ने बताया, असाइआ बैक्टीरिया मच्छरों के स्वास्थ्य में सकारात्मक भूमिका निभा सकते हैं, लेकिन इसे एडीस इजिप्टी पर पहले कभी पूरी तरह से नहीं आजमाया गया था। हमारे अध्ययन में पाया गया कि कुछ असाइआ बैक्टीरिया इस मच्छर के लार्वा की वृद्धि को सहायक बना सकते हैं। बैक्टीरिया का प्रभावः शोध में मच्छरों के लार्वा वाले पानी में असाइआ बैक्टीरिया मिलाए गए, और यह देखा गया कि दो विशेष प्रकार के असाइआ बैक्टीरिया लार्वा के विकास को तेज करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह बैक्टीरिया सीधे पोषण नहीं देते, बल्कि अन्य बैक्टीरिया को बदलकर लार्वा की वृद्धि को बढ़ावा देते हैं।

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि असाइआ बैक्टीरिया ऑक्सीजन की मात्रा को घटाकर ऐसे हार्मोन उत्पन्न करते हैं, जो लार्वा की वृद्धि को तेज करते हैं। जब लार्वा तेजी से बढ़ते हैं, तो वे जल्दी से वयस्क मच्छर बन जाते हैं, जिसका अर्थ है कि उनके पास संक्रमण फैलाने के लिए कम समय होता है। इस खोज से यह आशा जगी है कि भविष्य में मच्छरों की वृद्धि को नियंत्रित करने और उनसे होने वाली बीमारियों के प्रसार को रोकने के लिए एक नई और प्रभावी रणनीति विकसित की जा सकेगी।

खास वजह के चलते- 17 लाख लोगों ने भारतीय महिला का अमेरिकी फ्लेट देखा

वॉशिंगटन (ईएमएस)। हाल ही में एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें सारिका यादव नाम की महिला ने अमेरिका के एरिजोना राज्य में अपने नए फ्लैट का दौरा कराया है। सारिका ने इस वीडियो के माध्यम से न केवल अपने नए अपार्टमेंट का नजारा दिखाया, बल्कि यह भी बताया कि इस फ्लैट में कौन-कौन सी सुविधाएं उपलब्ध हैं। सारिका ने अपने 2 बीएचके अपार्टमेंट का वीडियो शेयर करते हुए बताया कि यह फ्लैट फिनिक्स सिटी के पास है, जिसमें एक बालकनी है, जिससे स्विमिंग पूल और लॉन टेनिस कोर्ट का दृश्य दिखाई देता है। उन्होंने किचन, मास्टर बेडरूम, और गेस्ट रूम का भी विस्तार से वर्णन किया, जहां अटैच्ड बाथरूम और वॉर्डरोब जैसी सुविधाएं हैं।

हालांकि, इस वीडियो का सबसे चौंकाने वाला हिस्सा फ्लैट का किराया है, जो सारिका ने 1 लाख 60 हजार रुपये बताया। उन्होंने यह भी कहा कि अगर यह फ्लैट शहर के केंद्र में होता, तो इसका किराया 2 लाख रुपये से ऊपर होता। वीडियो में सारिका ने दर्शकों से पूछा कि क्या यह किराया उचित है या नहीं। इस वीडियो ने सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान आकर्षित किया है, और अब तक इसे 17 लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। वीडियो पर लोगों के विभिन्न प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। कुछ लोगों ने इस किराए को अमेरिका की कीमतों के अनुसार सही बताया, जबकि अन्य ने भारतीय मानकों के आधार पर इसे अत्यधिक महंगा कहा।

कई कमेंट में लोग यह सुझाव दे रहे हैं कि अमेरिका में फर्निश्ड अपार्टमेंट खरीदना अधिक लागत-कुशल हो सकता है, जबकि कुछ ने कहा कि अमेरिका में अधिकतर फ्लैट एक समान होते हैं, जिससे मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। एक अन्य कमेंट में कहा गया कि भारतीय घरों की गुणवत्ता अमेरिकी घरों से बेहतर है। यह वीडियो एक ओर जहां अमेरिका में रहने की वास्तविकता को दर्शाता है, वहीं दूसरी ओर यह भारतीयों के लिए वहां के जीवन की चुनौतियों और खर्चों को समझने का भी एक जरिया बन रहा है।

लेबनान को संकटकाल में मान वीय सहायता पहुंचा रहा संयुक्त राष्ट्र

फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए मेडिकल सामग्री व ईंधन भेजा

जेनेवा (ईएमएस)। लेबनान को संकटकाल में संयुक्त राष्ट्र और उसकी साझेदार एजेंसियां मानवीय सहायता पहुंचा रही हैं। संयुक्त राष्ट्र के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि फिलिस्तीन शरणार्थियों के लिए यूएन रिलीफ एंड वर्क्स एजेंसी (यूएनआरडब्ल्यूए) ने टायर के बुर्ज शिमाली शरणार्थी शिविर को मेडिकल सप्लाई और जनरेटर के लिए ईंधन भेजा है।

इसके अलावा एक मानवीय काफिले ने बालबेक-एल हर्मेल क्षेत्र के लैबवेह हेल्थकेयर सेंटर में चिकित्सा सामग्री, दवाइयां और हाइजीन किट भेजी है। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) ने अपनी आपातकालीन सहायता के साथ-साथ नियमित पहलों के जरिए 2 मिलियन से अधिक कमजोर लोगों तक खाद्य सहायता पहुंचाई है। डब्ल्यूएफपी ने सीरिया में शरण लेने वाले लेबनानी और सीरियाई लोगों को भी खाद्य आपूर्ति की है।

यूनिसेफ बच्चों को शिक्षा की ओर लाने का कर रहा प्रयास

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) ने भी मदद जारी रखी है और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर 387,000 लेबनानी बच्चों को शिक्षा की ओर वापस लाने का प्रयास कर रहा है। इन बच्चों में शेल्टर और युद्ध से प्रभावित बच्चे भी शामिल हैं। यह पहल लेबनान के 326 सार्वजनिक स्कूलों में शिक्षा की उपलब्धता को सुनिश्चित करने का हिस्सा है, जिन्हें आपातकालीन प्रतिक्रिया योजना के तहत खोला जा रहा है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि देश की मानवीय स्थिति 2006 के युद्ध से भी अधिक गंभीर हो चुकी है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र लगातार हमलों का सामना कर रहा है, और संसाधनों की भारी कमी हो गई है।

मदद के लिए तत्काल धन की आवश्यकता

संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता ने कहा, हमारे सहयोगियों को डर है कि बढ़ती शत्रुता के कारण भोजन, दवाइयां, शेल्टर और अन्य आवश्यक वस्तुओं की मांग में और वृद्धि हो सकती है। उन्होंने मदद जारी रखने के लिए तत्काल धन की आवश्यकता पर बल दिया है। अक्टूबर की शुरुआत में 426 मिलियन डॉलर की मानवीय अपील की गई थी, लेकिन अभी तक केवल 19 प्रतिशत राशि ही जुटाई जा सकी है, जो कि महज 80 मिलियन डॉलर है। संयुक्त राष्ट्र प्रवक्ता ने देशों से अपील की है कि वे वादों को जल्दी से लागू करें और नकद सहायता प्रदान करें।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावः परिणामों का भारत-अमेरिका संबंधों पर असर नहीं

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कैनबरा में एक कार्यक्रम में दिया बयान

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव का परिणाम को लेकर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि चुनाव का परिणाम का भारत और अमेरिका के संबंधों पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चुनावों के परिणामों के बावजूद अमेरिका का वैश्विक दखल और उसकी विदेश नीति में एक अलगाववादी प्रवृत्ति आने की संभावना है।

जयशंकर ने यह बयान बुधवार को कैनबरा में एक कार्यक्रम में दिया जब अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के परिणाम की गिनती चल रही थी, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा है। जयशंकर ने कहा कि अमेरिकी चुनाव के परिणामों से अमेरिकी दीर्घकालिक विदेश नीति में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है। विशेष रूप से बराक ओबामा के बाद से अमेरिका ने अपनी वैश्विक प्रतिबद्धताओं के बारे में ज्यादा सतर्कता दिखाई है। उन्होंने अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी का उदाहरण दिया और कहा कि भविष्य में भी अमेरिकी नीति में इस तरह का अलगाव जारी रह सकता है।

उन्होंने कहा कि अगर डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति बनते हैं तो उनकी नीतियां और स्पष्ट हो सकती हैं, लेकिन हम अमेरिका को वर्तमान प्रशासन के विचारों से परे देखें और समझें। अमेरिका को शुरू में जो वैश्विक प्रभुत्व और उदारता हासिल थी, वह शायद भविष्य में न रहे। जयशंकर का यह बयान अमेरिका की बदलती विदेश नीति की ओर इशारा करता है, जो ज्यादातर घरेलू मामलों और राष्ट्रीय हितों पर केंद्रित है। जयशंकर ने यह भी उल्लेख किया कि भविष्य में भारत और अमेरिका के बीच संबंध और मजबूत होंगे। इस दौरान ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के विदेश मंत्रियों ने भी कहा कि उनके देशों को वैश्विक स्तर पर अपनी इच्छाओं के मुताबिक वातावरण बनाने के लिए कदम उठाने होंगे। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने कहा कि हम जिस दुनिया को बनाने की कोशिश कर र

प्रदेश की कई मंडियां आज से हुई गुलजार, पांचवें मुहूर्त से व्यापारियों-किसानों को हुआ फायदा

अहमदाबाद,6 नवंबर

लाभ पंचम पर मार्केट यार्ड कामकाज फिर से शुरू करें: लाभ पंचम (6 नवंबर) पर पूजा करने से साधक को व्यापार आदि में लाभ होता है। आज का दिन कोई भी नया काम शुरू करने के लिए भी शुभ माना जाता है। दिवाली की छुट्टियों के बाद राजकोट, मोरबी, अरावली, जामनगर, पोरबंदर सहित बाजार प्रांगणों में आज से फिर से हलचल है। जहां मूंगफली, कपास और सोयाबीन जैसी अन्य फसलें उगना शुरू हो गई हैं।

लाभ पंचम के शुभ अवसर पर आज से राजकोट का बेदी मार्केट यार्ड शुरू हो गया। आज पहले दिन बेदी मंडी प्रांगण में मूंगफली की आवक हुई। आज मूंगफली की आय 1 लाख गुना हो गई और भाव 1250 रुपए तक बोले गए। हालांकि, समर्थन मूल्य से कम दाम मिलने से किसानों में थोड़ी निराशा भी थी।

लाभ पंचम के शुभ दिन पर, मोरबी मार्केट यार्ड फिर से गुलजार हो गया है। आज कपास से अधिक आय हुई। मूंगफली, बाजरा, अरंडी, तिल, चना, सोयाबीन आदि से भी आय प्राप्त हुई है। आज 11,060 मन कपास की आवक हुई, जिस का भाव 1300 से 1550 रुपये तक बोला गया. इसके अलावा 2875 मन मूंगफली की आवक हुई, जिसके भाव 840 से 1256 रुपये तक बोले गए.

दिवाली की छोटी छुट्टियों के बाद जामनगर के हापा मार्केट यार्ड में 345 से अधिक वाहनों में मूंगफली सहित विभिन्न प्रकार के सामान की बिक्री शुरू हो गई है। मंगलवार से यार्ड में किसान मूंगफली लेकर आए तो डेढ़ किमी. लंबी कतार देखने को मिली. जिसमें इस बार किसानों को मूंगफली नंबर 66 के 2100 रुपए मिले हैं. इस यार्ड में तमिलनाडु से व्यापारी मूंगफली खरीदने आते हैं। लाभ पंचम के दिन, पोरबंदर के बाजार प्रांगण में जेतेसी की आय देखी गई। फिर आज मूंगफली की कीमत 1000 से 1100 रुपये तक पहुंच गई है. आने वाले दिनों में मूंगफली की आमदनी बढ़ेगी, दाम भी बढ़ेंगे. गौरतलब है कि किसानों को मूंगफली की गुणवत्ता के अनुसार अच्छे दाम भी मिले हैं.

हिम्मत नगर मार्केट यार्ड में मूंगफली की आय कई राशियों के साथ शुरू हुई। लेकिन दिवाली उत्सव के कारण सात दिनों तक बाजार बंद रहने के बाद आज (6 नवंबर) लाभ पंचम के शुभ अवसर पर खरीदारी फिर से शुरू हो गई। उस समय 15 हजार बोरी मूंगफली की आवक हुई थी और भाव 1200 से 1400 प्रति मन तक बोले गए थे.

लाभ पंचम के शुभ दिन पर जूनागढ़ के मार्केटिंग यार्ड में जेतिसी आय की शुरुआत की गई है. पहले दिन ही मूंगफली और सोयाबीन में सबसे ज्यादा राजस्व दर्ज किया गया और इनकी नीलामी की गई। सोयाबीन की पैदावार 10,000 बुशेल से अधिक और मूंगफली की 1,500 बुशेल से अधिक थी। जिसमें सोयाबीन का भाव 850 से 910 बोला गया, मूंगफली का भाव भी अच्छा रहा।

अमरेली के सावरकुंडला बाजार में नीलामी शुरू हो गई है. मंडी प्रांगण में चने की कीमत लगातार बढ़ती जा रही है. चने का भाव 1000 से 1561 रुपए बोला गया। बाजार प्रांगण में 40 मन का राजस्व दर्ज किया गया। जबकि एक मन मूंगफली की कीमत 1251 रुपये और एक मन कपास की कीमत 1570 रुपये थी. गौरतलब है कि अमरेली जिले में ज्यादातर किसानों ने कपास, मूंगफली, सोयाबीन, गेहूं, चना और सफेद व काले तिल की फसल लगाई थी।

दिवाली की छुट्टियों के बाद मेहसाणा बाजार प्रांगण लोगों की आमदनी से गुलजार है. आज मंडी प्रांगण में 236 बोरी अरंडी की आवक दर्ज की गई। दीवाली उत्सव के बाद अरंडी की आय में कमी आई है, जिसकी न्यूनतम कीमत 1268 रुपये और उच्चतम कीमत 1292 रुपये प्रति मन थी। जबकि रायडा में 34 बोरी की आय देखी गई। रायडा की आय आज कम हो गई है, जिसकी कीमत घटकर 1075 से 1172 रुपये प्रति मन हो गई है। ज्ञात हो कि आज किसान दलहन, रायडू, अरंडी, रजका समेत अन्य फसलें बिक्री के लिए लेकर आये थे. मानसून के बाद शीतकालीन फसलें शुरू हो गई हैं। उत्तर गुजरात के अरावली में किसानों ने लाभ पंचम से आलू की बुआई शुरू कर दी है. जिसमें जिले में लगभग 60 से 70 हजार हेक्टेयर में आलू लगाया गया है.

अहमदाबाद में हुआ छठ पूजा का आयोजन, इन जगहों पर होगा महापर्व

अहमदाबाद,6 नवंबर

अहमदाबाद में इंदिरा ब्रिज समेत कई जगहों पर छठ पूजा का विशेष आयोजन किया गया है. जिसमें साबरमती रिवरफ्रंट पर छह धार्मिक स्थलों को जोर-शोर से तैयार किया जा रहा है. इस छठ पूजा में अहमदाबाद में रहने वाले 50 हजार से ज्यादा उत्तर भारतीय शामिल होंगे.

कल (7 नवंबर) छठे दिन शाम 4 से 5 बजे तक पूजा शुरू होगी. इस वर्ष छठ पूजा का आयोजन छठ महापर्व समन्वय ट्रस्ट, मां जानकी सेवा समिति, हिंदी भाषी महासंघ एवं छठ महापर्व आयोजन समिति द्वारा किया गया है. जिसमें अहमदाबाद महानगर पालिका टीम सहित पुलिस और अग्नि सुरक्षा की व्यवस्था की गई है.

जानकारी के मुताबिक, अहमदाबाद में रहने वाले 50 हजार से ज्यादा उत्तर भारतीय इस छठ पूजा में शामिल होंगे. 15 से 20 हजार लोग पूजा कर सकें, इसकी व्यवस्था की गयी है. इसके साथ ही दूर-दराज से आने वाले 5000 से अधिक लोगों के ठहरने और खाने-पीने की व्यवस्था की गई है.

आयोजकों ने कहा, 'छठ पूजा महापर्व में इस बार राज्य के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल, महापौर, शहर अध्यक्ष, विधायक, अहमदाबाद महानगर पालिका के पदाधिकारी, आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है.'

छठ पूजा का महापर्व इंदिरा ब्रिज साबरमती रिवरफ्रंट सहित अंबिकानगर, इसानपुर, अमराईवाड़ी सत्यम नगर, मेघाणीनगर डमरू सर्कल के पास चांदखेड़ा आदि स्थानों पर मनाया जाएगा।

21 साल की युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म, 3 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज

जामनगर (ईएमएस) शहर में 21 वर्षीय एक युवती ने सीटी ए डिवीजन पुलिस थाने में तीन आरोपियों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म की शिकायत दर्ज करवाई है। आरोपियों ने युवती के नहाते समय वीडियो और फोटो उतारी और उसके आधार पर उसे ब्लैकमेल कर करीब डेढ़ साल तक उसका यौन शोषण किया। युवती की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार करने की दिशा में प्रयास तेज कर दिए हैं।

जानकारी के मुताबिक 21 साल की एक युवती ने जामनगर सीटी ए डिवीजन के पुलिस स्टेशन में 3 आरोपियों के खिलाफ गैंग रेप की शिकायत दर्ज कराई है। पीड़ित युवती जामनगर शहर में पंचेश्वर टॉवर के पास एक फ्लैट में रहती थी। उस वक्त करीब डेढ़ साल पहले जब लड़की बाथरूम में नहा रही थी। तभी युवती के एक दोस्त ने उसका वीडियो और फोटो खींच लिया था। कुछ दिन बाद मुख्य आरोपी ने यह वीडियो और फोटो दिखाकर लड़की को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। इसके अलावा मुख्य आरोपी ने लड़की के साथ दुष्कर्म करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं आरोपी ने लड़की को अपने दो अन्य दोस्तों के साथ शारीरिक संबंध बनाने के लिए भी मजबूर किया। जिसके बाद मुख्य आरोपी के दो दोस्तों ने मिलकर इस 21 साल की लड़की के साथ रेप किया। तीनों आरोपियों ने करीब डेढ़ साल तक युवती का यौन शोषण किया। आखिरकार युवती ने तंग आकर जामनगर के ए डिवीजन पुलिस थाने में तीन आरोपियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरू की है।

जामनगर में एक अपार्टमेंट में फ्लैट रखने वाले हुसैन गुलममद शेख नाम के शख्स ने लड़की को अपने घर में घरेलू काम करने के लिए बुलाया था. जब लड़की बाथरूम में नहा रही थी तो हुसैन ने चुपके से लड़की की नग्न तस्वीर खींच ली। इसके बाद हुसैन ने फोटो के आधार पर लड़की को ब्लैकमेल कर उसके साथ दुष्कर्म किया. इसके अलावा हुसैन के दो अन्य सहयोगियों आमिर खान जाफर खान और फैसल लतीफ दरवान ने लड़की के साथ सामूहिक बलात्कार किया।

लड़की ने पूरी घटना की शिकायत सिटी डीवाईएसपी से की। जे। एन। झाला के साथ-साथ सीटी ए. प्रभाग के पीआई. एन। एक। चावड़ा ने आरोपी हुसैन गुलममद शेख और उसके दो साथियों हमीर खान और फैसल दरवान को गिरफ्तार कर लिया. पुलिस ने तीनों आरोपियों से आगे पूछताछ की तो पता चला कि आरोपियों ने थावरिया गांव स्थित अपने फार्म हाउस पर लड़की के साथ कई बार सामूहिक दुष्कर्म किया था. जब पीड़िता को मेडिकल जांच के लिए जी.जी. ले जाया गया. अस्पताल भेजा गया.

सामूहिक दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार आरोपी हुसैन शेख को हथियार और नशीले पदार्थ के अपराध में भी गिरफ्तार किया गया है. जिसमें उसके खिलाफ सिटी ए डिवीजन थाने में दो अलग-अलग अपराध दर्ज किये गये हैं. फिलहाल तीनों आरोपियों को सिटी ए डिविजन पुलिस स्टेशन में रखा गया है.

राज्य में डूबने की घटना में तीन की मौत, सूरत में दो युवक डूबे,अमरेली में एक किशोर डूबा

सूरत ,6 नवंबर

अमरेली और सूरत जिले से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है. अमरेली के सावरकुंडला और सूरत के महुवा से डूबने से मौत की खबरें सामने आई हैं. सावरकुंडला के शेलाना गांव में स्थानीय झील में एक किशोर के डूबने की घटना सामने आई है. बालक के डूबने की सूचना मिलते ही ग्रामीण जुट गये और अग्निशमन दल से संपर्क किया गया. हालांकि, जब तक अग्निशमन विभाग ने उसे बाहर निकाला, तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। उधर, सूरत में नदी में नहाने गए दो दोस्तों की डूबने से मौत हो गई।

घटना सावरकुंडला के शेलाना गांव में करीब तीन बजे की है. सावरकुंडला के थावी गांव के युवक की पहचान विक्रम जयसुख कुकावा के रूप में हुई है. युवक शेलाना गांव में अपने घर आया हुआ था। जहां करीब तीन बजे दो-तीन बच्चे नहाये थे. इसी दौरान किशोर का पैर फिसल गया और वह झील में गिर गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय तैराकों समेत बड़ी संख्या में लोग झील पर पहुंच गये. हालाँकि, लगभग एक घंटे की कोशिश के बावजूद किशोर का पता नहीं चलने पर तुरंत अमरेली अग्निशमन विभाग की टीम से संपर्क किया गया।

अग्निशमन विभाग की टीम ने एक घंटे की मशक्कत के बाद किशोर का शव बरामद कर लिया. बाद में, उन्हें पास के सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। अस्पताल में युवक का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा। घटना की सूचना मिलते ही अमरेली फायर फाइटर, सवकुंडला मामलतदार और पुलिस सहित अधिकारी मौके पर पहुंचे। पूरी घटना से मृतक के परिजनों में मातम छा गया है.

सूरत शहर के नानपुरा इलाके में रहने वाले दो दोस्त, रोशन पटेल और विरल खलासी, खेती के काम के लिए सांबा गांव में अपने चाचा के पास गए। खेती के बाद दोपहर में वे दोनों अपने चचेरे भाइयों के साथ सांबा गांव में अंबिका नदी के पार बामनिया भूत मंदिर के दर्शन करने गए। दर्शन से लौटते समय उन्हें नदी में स्नान करना पड़ा। नाही से बाहर निकलने के दौरान दोनों युवकों में से एक का पैर फिसल गया और वह नदी के पानी के गहरे गड्ढे में डूब गया। उसे बचाने के प्रयास में दूसरा युवक भी पानी में उतर गया और वह भी गहरी धारा में खिंच गया। अंबिका नदी के पानी में दो युवकों के डूब जाने पर स्थानीय तैराकों ने भारी शोर-शराबे के बीच पानी में खोजबीन शुरू की.

सार्वजनिक जगहों पर थूंकने वालों की अब खैर नहीं, 5200 लोगों पर लगा 9 लाख का जुर्माना

सूरत (ईएमएस) शहर में सार्वजनिक जगहों पर थूंकना लोगों को महंगा पड़ सकता है। पहली बार सूरत में सार्वजनिक जगहों पर थूंकने वालों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। सूरत नगर निगम (एसएमसी) ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पहली बार बड़ी संख्या में थूकने वालों पर कार्रवाई की है। एसएमसी ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी करने वालों पर 9 लाख का जुर्माना लगाया है। दिवाली-न्यू ईयर समेत सड़क पर थूकने पर 5200 लोगों पर जुर्माना लगाया गया है। पुलों, डिवाइडरों, सड़कों और सर्किलों के पेंटवर्क को नुकसान पहुंचाने वालों पर कार्रवाई की गई है। साथ ही कमांड एंड कंट्रोल सेंटर के 4500 सीसीटीवी से अब 24 घंटे निगरानी की जाएगी। दरअसल त्योहारों को लेकर महोत्सव ताने सूरत के सभी जोन में करोड़ों की लागत से पुल-सड़कों, सर्किलों का रंग-रोगन किया गया था। लेकिन सौंदर्यीकरण को मावा-गुटखा खाकर थूकने वालों ने बिगाड़ दिया। इसके चलते सार्वजनिक स्थानों पर खबरें थूकने वालों के खिलाफ कंट्रोल एंड कमांड सेंटर के 4500 कैमरों से निगरानी कर थूकने वालों को पकड़ा गया है।

सीसीटीवी के जरिए ऐसे 5200 लोगों पर 9 लाख का जुर्माना लगाया गया है। एसएमसी का दावा है कि सूरत में पहली बार इतनी बड़ी संख्या में थूकने वालों पर कार्रवाई की गई है।

राज्य सरकार ने एक और अधिकारी पर कसा शिकंजा, अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार ने एक और अधिकारी को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी है। हाल ही में राज्य सरकार ने सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड के अधिकारी अश्विन कुमार परमार को अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी है। अश्विन परमार सरदार सरोवर नर्मदा निगम लिमिटेड में अधिशाषी अभियंता के पद पर कार्यरत थे। हालांकि उनके रिटायरमेंट के बाद भी विभागीय जांच जारी रहेगी। नर्मदा जल संसाधन जल आपूर्ति और कल्पसर विभाग के आदेश से 2002 के नियम 10(4) के तहत अश्विन कुमार धनजीभाई परमार को सेवानिवृत्त करने की अधिसूचना जारी की गई है। अश्विकुमार परमार को अधिसूचना जारी होने से पहले 3 महीने की अवधि के लिए वेतन और भत्ते का भुगतान किया जाएगा। हांलाकि राज्य सरकार के सेवानिवृत्ति के आदेश के बाद भी अश्विन कुमार परमार गुजरात सिविल सेवा (पेंशन) नियम -2002 के नियम 23 और 24 के तहत प्रावधान के अनुसार अपनी विभागीय जांच जारी रहेगी।

जीएसआरटीसी को दिवाली त्योहार फला, एक सप्ताह में 16 करोड़ से अधिक की कमाई की

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम (जीएसआरटीसी) के लिए दिवाली त्योहार लाभदायी साबित हुए हैं। एक सप्ताह के दौरान जीएसआरटीसी ने 7 लाख से अधिक टिकटें बुक कर रु. 16 करोड़ से भी ज्यादा की आय हासिल की है। जीएसआरटीसी की प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक दिवाली उत्सव को ध्यान में रखते हुए 29 अक्टूबर से 04 नवंबर 2024 तक गुजरात में कुल 6,617 अतिरिक्त बसें चलाई गईं, जिसमें एक सप्ताह में 7 लाख से अधिक टिकट बुक किए गए और इसके जरिए एसटी निगम को 16 करोड़ से अधिक की आय हुई है। 4 नवंबर को यात्रियों ने एक ही दिन में 1.41 लाख से ज्यादा सीटें और 3.15 करोड़ रुपये की बुकिंग कर अब तक एडवांस बुकिंग का नया रिकॉर्ड बनाया। दिवाली त्योहारों पर जीएसआरटीसी ने सूरत से सर्वाधिक 1,359 अतिरिक्त यात्राएं आयोजित कीं और 86,599 यात्रियों को समय पर उनके गृहनगर पहुंचाया और कुल 2.57 करोड़ रुपये की आय अर्जित की। यह परंपरा रही है कि नागरिक दिवाली का त्योहार अपनी जन्मभूमि पर जाकर मनाते हैं। इन त्योहारों को ध्यान में रखते हुए गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल के मार्गदर्शन और परिवहन मंत्री हर्ष संघवी के नेतृत्व में जीएसआरटीसी लगातार यात्रियों को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने का प्रयास कर रहा है। गुजरात के नागरिकों ने अपनी मातृभूमि सहित विभिन्न स्थानों पर जाने के लिए जीएसआरटीसी की सुरक्षित सवारी को अपनाया। इसके अंतर्गत गुजरात सड़क और परिवहन विभाग ने 29 अक्टूबर 2024 को 85,437 टिकट बुक किए और 2.00 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की। इसी प्रकार 30 अक्टूबर को 83,426 सीटों पर 1.96 करोड़ रुपये से अधिक, 31 अक्टूबर को 82,190 सीटों पर 1.92 करोड़ रुपये से अधिक, 1 नवंबर को 94019 सीटों के जरिए 2.16 करोड़ से ज्यादा की आय, 2 नवंबर को 1,02,314 सीटों के जरिए 2.27 करोड़ रुपये, 3 नवंबर को 1,28,841 सीटों के जरिए 2.84 करोड़ रुपये से ज्यादा और 4 नवंबर को 1,41,468 सीटों की सबसे ज्यादा बुकिंग के जरिए 3.15 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की।

फुदेडा गांव के तलाटी की डेंगू से मौत, 1 नवंबर से अस्पताल में चल रहा था इलाज

मेहसाणा (ईएमएस) सूरत, अहमदाबाद के बाद उत्तर गुजरात के मेहसाणा में डेंगू से मौत की खबर सामने आई है। मेहसाणा जिले के फुदेडा गांव के तलाटी मौलिक दर्जी की डेंगू से मौत हो गई। मौलिक दर्जी का गत 1 नवंबर से अस्पताल में इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान मौलिक दर्जी ने दम तोड़ दिया। जानकारी के मुताबिक 35 वर्षीय मौलिक दर्जी मेहसाणा जिले की सतलासणा के भालूसाणा गांव के निवासी थे। जो कुछ समय से मेहसाणा जिले के फुदेडा गांव में बतौर तलाटी कार्यरत थे। पिछले पांच दिनों से मौलिक दर्जी का बुखार का इलाज चल रहा था। बुखार के चलते उन्हें बीते 1 नवंबर को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में ले जाया गया था। अस्पताल में इलाज के दौरान उन्हें डेंगू होने का पता चला। इलाज के दौरान फेफड़ों में पानी भर जाने से सांस लेने में दिक्कत होने लगी और उनकी मौत हो गई। मौलिक दर्जी की मौत से परिवार में शोक व्याप्त है।

राजकोट-लालकुआं स्पेबशल ट्रेन अब सप्ताह में दो दिन चलेगी

राजकोट (ईएमएस) पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए राजकोट और लालकुआं के बीच चलाई जा रही साप्ताहिक स्पेलशल ट्रेन को सप्ताह में दो दिन चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है: ट्रेन संख्याव 05046 राजकोट-लालकुआं स्पेशल 7नवंबर से 2 दिसंबर, 2024 तक राजकोट से प्रत्येक सोमवार और गुरुवार को चलेगी।

इसी तरह, ट्रेन संख्यार 05045 लालकुआं-राजकोट स्पेशल 6 नवंबर से 1 दिसंबर, 2024 तक लालकुआं से प्रत्येक रविवार और बुधवार को चलेगी। ट्रेन संख्या 05046 के बढ़ाई गई फ्रीक्वेंसी की बुकिंग तत्काल प्रभाव से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआर सीटीसी वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया **www.enquiry.iâian rail. gov .in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

21 नवंबर से गुजरात सरकार की सोमनाथ में लगेगी चिंतन शिविर

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात सरकार ने तीन दिवसीय चिंतन शिविर का आयोजन किया है। यह चिंतन शिविर सोमनाथ में होगा। तीन दिवसीय चिंतन शिविर 21 नवंबर 2024 को शुरू होकर 23 नवंबर 2024 तक चलेगी। इस शिविर में विभिन्न विषयों पर चर्चा की जायेगी। जिसमें राज्य सरकार अगली योजनाओं पर मंथन करेगी और विकास के 10 बिंदुओं पर कार्ययोजना तैयार की जा सकती है।

इस चिंतन शिविर में कैबिनेट सदस्य, आईएएस, आईपीएस अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। 21 नवंबर से 23 नवंबर तक चलने वाले इस शिविर में स्वास्थ्य पोषण, राज्य में तैयार की जा रही नीतियां, शिक्षा में गुणात्मक सुधार सहित विषयों पर चर्चा की जाएगी। इसके अलावा लगातार विकास के 10 बिंदुओं की कार्ययोजना तैयार की जा सकती है। इसके साथ ही राज्य स्तर पर अगले रोडमैप को लेकर समीक्षा भी होगी। इसके अलावा सामुदायिक कार्य योजना, बुनियादी ढांचा, कुपोषण निवारण, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, व्यवहार परिवर्तन संचार, भोजन और पोषण विविधता, ग्राम स्तर पर आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, नवजात शिशु की देखभाल शामिल है। इसके लिए घरेलू उपचार में बच्चों का संपूर्ण और प्रभावी टीकाकरण शामिल है।

मामा ने सात साल की भांजी को बनाया अपनी हवस का शिकार

राजकोट (ईएमएस) शहर में मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना सामने आई है। इस घटना को अंजाम बच्ची के मामा ने दिया है। हांलाकि आरोपी बच्ची का सगा मामा नहीं है, पीड़िता की माता का धरम का भाई है। पीड़िता की माता की शिकायत के आधार पर यूनिवर्सिटी पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक 4 नवंबर को यूनिवर्सिटी रोड पर 7 साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की शिकायत पीड़िता की मां ने पुलिस थाने में की। जिसके आधार पर राजकोट पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस शिकायत में आरोप लगाया गया है, पीड़िता की मां एक अस्पताल में सफाईकर्मी के रूप में काम करती है। जहां रेप का आरोपी भी बतौर सफाईकर्मी का भी काम करता है। चूंकि वे दोनों एक साथ काम कर रहे थे, इसलिए पीड़िता की मां ने आरोपी शख्स को धरम का भाई बना लिया। लिकिन धरम के भाई की नजर अपनी बहन की 7 साल की मासूम बेटी पर थी। 4 नवंबर को यूनिवर्सिटी रोड पर आरोपी ने किशोरी से दुष्कर्म किया। इसके बाद बच्ची ने अपनी मां को पूरी घटना की जानकारी दी। जिसके बाद पीड़िता की मां ने राजकोट की यूनिवर्सिटी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

भारतीय रेल त्योहारी सीजन के दौरान 24 घंटे में ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की कुल जनसंख्या से अधिक लोगों को पहुँचाती है उनके गंतव्य तक

04 नवंबर, 2024 को गैर-उपनगरीय यात्रियों की सबसे अधिक संख्या

1 अक्टूबर से 5 नवंबर, 2024 तक लगभग 7.5 करोड़ यात्रियों ने बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश और झारखंड की यात्रा की

रेलवे ने 1 अक्टूबर से 5 नवंबर, 2024 तक स्पेशल ट्रेनों के ज़रिये

65 लाख यात्रियों को सुविधा प्रदान की

भारतीय रेल इस त्योहारी सीजन के दौरान यात्रियों की मांग को पूरा करने के लिए स्पेशल ट्रेनें चला रही है। इस वर्ष 01 अक्टूबर से 30 नवंबर, 2024 की अवधि के दौरान भारतीय रेल द्वारा 7,600 से अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं, जबकि पिछले वर्ष लगभग 4,500 स्पेशल ट्रेनें चलाई गई थीं। यह पिछले वर्ष की तुलना में 73% अधिक है।

भारतीय रेल ने 24 घंटे में तीन करोड़ यात्रियों को उनके गंतव्यों तक पहुँचाया है, जो ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की कुल जनसंख्या से भी अधिक है। 4 नवंबर, 2024 को कुल 120 लाख से अधिक (लगभग 20 लाख आरक्षित और 100 लाख से अधिक अनारक्षित गैर-उपनगरीय) यात्रियों ने यात्रा की। इस वर्ष के दौरान एक दिन में यात्रा करने वाले यात्रियों का सबसे अधिक आंकड़ा है।

भारतीय रेल द्वारा अब तक 1 अक्टूबर से 5 नवंबर, 2024 तक 4,521 स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं। इन स्पेशल ट्रेनों से 65 लाख यात्रियों को यात्रा की सुविधा मिली है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यात्रियों की सुविधा तथा उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से इस वर्ष पश्चिम रेलवे त्योहारी सीजन के दौरान उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और उड़ीसा सहित विभिन्न गंतव्यों के लिए लगभग 375 स्पेशल ट्रेनें चला रही है। ये स्पेशल ट्रेनें पश्चिम रेलवे से विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाई जाने वाली नियमित ट्रेनों के अतिरिक्त परिचालित की जा रही हैं। उपलब्धता और मांग के अनुसार नियमित ट्रेनों में अतिरिक्त कोच भी जोड़े जा रहे हैं।

6 नवंबर, 2024 को पश्चिम रेलवे ने 18 स्पेशल ट्रेनें चलाईं, जबकि 7 नवंबर, 2024 को यात्रियों की सुविधा के लिए 14 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पवन सिंधी ने दीवाली पर गरीब बच्चों के चेहरे पर लायी खुशियां

दिवाली के दिन पवन सिंधी अहमदाबाद की झुग्गियों में रहने वाले गरीब बच्चों के बीच गए और उनके चेहरे पर खुशी लाने की कोशिश की. वे हर साल इन बच्चों के साथ दिवाली मनाते हैं और उन्हें दीये, मिठाइयां, तेल और जरूरी सामान गिफ्ट करके उनकी दिवाली को खास बनाते हैं।

पवन सिंधी की इस पहल से इन बच्चों के जीवन में आशा की किरण जगी है. वे इन बच्चों को यह अहसास दिलाते हैं कि वे भी इसी समाज का हिस्सा हैं और उनकी दिवाली भी बाकी लोगों की तरह ही उत्साह से मनाई जानी चाहिए।

पवन सिंधी ने कहा कि मुझे लगता है कि हर किसी को गरिमा और उत्साह के साथ दिवाली मनाने का अधिकार है. ये बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं और सभी को इनके लिए कुछ करना चाहिए।

आवश्यक विटामिन से भरपूर टाटा टी गोल्ड वीटाकेयर आपके तन और मन दोनों को रखे खुशहाल

यह है तन और मन की खुशहाली का एक कप! टाटा टी की नयी प्रस्तुति टाटा टी गोल्ड वीटाकेयर* स्वादिष्ट है, साथ ही इसमें स्वास्थ्य के लिए आवश्यक सभी विटामिन हैं। बेहतरीन चाय, टाटा टी गोल्ड वीटाकेयर* के सिर्फ दो कप आपको देते हैं, विटामिन डी, बी6, बी9 और बी12 इन आवश्यक विटामिन की रोज़ाना ज़रूरत का 30% हिस्सा।

विटामिन डी सामान्य हड्डियों के रखरखाव में अहम भूमिका निभाता है। विटामिन बी6 थकान को कम करता है। विटामिन बी9 (फोलिक एसिड) लाल रक्त कोशिका निर्माण और स्वस्थ कोशिका वृद्धि और कार्य के लिए महत्वपूर्ण है। विटामिन बी12 शरीर को ऊर्जा देने वाले चयापचय में योगदान देता है।

टाटा टी गोल्ड वीटाकेयर सभी जनरल ट्रेड, मॉडर्न ट्रेड और बड़े ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है। इसके 100, 250 और 500 ग्राम के पैक की कीमतें 50, 180 और 340 रूपए हैं। **Veg Symbolμ** यह सिर्फ ब्रांड का नाम है। यह नाम उत्पाद की विशेषता नहीं दर्शाता है। यह उत्पाद आपके रोज़ाना संतुलित आहार के एक हिस्से के रूप में लेना है।

फिल्म काले लगन छे!?! दर्शकों के दिलों पर करेगी राज

गुजरात: दिवाली के त्योहार पर रिलीज हुई बॉलीवुड फिल्में सिंघम अगेन और "भूल भुलैया 3" ने दर्शकों को निराश कर दिया है, जबकि आगामी 7 नवंबर को रिलीज होने वाली गुजराती फिल्म काले लगन छे!?! से दर्शकों की उम्मीदें बढ़ गई हैं। 'सिंघम अगेन' और 'भूल भुलैया 3' बड़ी स्टारकास्ट होने के बावजूद दर्शकों को पसंद नहीं आ रही हैं। पूजा जोशी और परीक्षित तमालिया स्टारर काले लगन छे!?!

दर्शकों के दिलों पर राज करने के लिए तैयार हैं। त्योहारों के बाद जब शादी का सीजन शुरू होगा तो यह गुजराती फिल्म पूरी तरह से पारिवारिक मनोरंजन साबित होगी। यह एक पूर्ण पारिवारिक मनोरंजन फिल्म है जो सामान्य कॉमेडी से हटकर सस्पेंस से भरपूर है। एचजीपिक्चर्स के बैनर तले बनी इस फिल्म का निर्माण हरेश पटेल, रुचित पटेल और संजय देसाई ने किया है। फिल्म के लेखक और निर्देशक बेहद प्रतिभाशाली हुमायूं मकरानी हैं। फिल्म का भव्य प्रीमियर मुंबई और अहमदाबाद दोनों जगह आयोजित किया गया और गुजराती फिल्म उद्योग के कई प्रसिद्ध कलाकारों ने फिल्म देखी। उन्होंने फिल्म को नए कॉन्सेप्ट के साथ सिचुएशनल कॉमेडी से भरपूर बताया और दर्शकों से फिल्म देखने का आग्रह किया।

काले लगन छे!?! फिल्म को हितेन कुमार, हितु कनोडिया, मोना थीबा, शेखर शुक्ला, संदीप पटेल, राज उनदकट, आंचल शाह, देवेन्द्र मेहता, काजल और कई अन्य हस्तियों ने देखा और सराहा, जिन्होंने इसे एक आदर्श पारिवारिक मनोरंजक फिल्म पाया।

स्विगी लिमिटेड ने 390 रुपये प्रति इक्विटी शेयर के ऊपरी प्राइसबैंड पर एंकर निवेशकों से 5,085 करोड़ रुपये जुटाए

☐ 1 रुपया फेसवैल्यूवाले प्रत्येक इक्विटी शेयर के लिए प्राइस बैंड371 से 390रुपये निर्धारित किया गया है (''इक्विटी शेयर'');

☐ बोली/प्रस्ताव बुधवार, 06 नवंबर, 2024 को खुलेगा और शुक्रवार, 08 नवंबर, 2023 को बंद होगा;

☐ न्यूनतम 38 इक्विटी शेयरों के लिए तथा उसके बाद 38 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं;

☐ 750,000 इक्विटी शेयरों तक कर्मचारी आरक्षण

स्विगी लिमिटेड ने एंकर निवेशकों को 13,03,85,211 इक्विटी शेयर आवंटित किए हैं और कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ से पहले रु. 1 प्रति शेयर के अंकित मूल्य के साथ रु. 390 प्रति इक्विटी शेयर (रु. 389 प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) के ऊपरी मूल्य बैंड पर रु. 5,085 करोड़ जुटाए हैं।

एंकर निवेशकों को आवंटित कुल 13,03,85,211 इक्विटी शेयरों में से 5,30,07,554 इक्विटी शेयर (यानी एंकर निवेशकों को आवंटित कुल शेयरों का 40.65%) कुल 69 योजनाओं के माध्यम से 19 घरेलू म्यूचुअलफंडों को दिए गए।

कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, सिटीग्रुपग्लोबलमार्केट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, जेफरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एवेंडस कैपिटल प्राइवेट लिमिटेड, जे.पी. मॉर्गन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बोफासिक्योरिटीज इंडिया लिमिटेड और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू के बुक रनिंग मैनेजर हैं।

भारतीय रेलवे ने मौजूदा त्योहारी सीजन में 24 घंटों के दौरान 3 करोड़ यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचाया

अहमदाबाद (ईएमएस) रेलवे द्वारा 1 अक्टूबरसे5नवंबर,